Teachingninja.in

Latest Govt Job updates

Private Job updates

Free Mock tests available

Visit - teachingninja.in

UPPSC Assistant Prosecution Officer

Previous Year Paper

(APO) 2018

Teachingninja.in

UPPCS सहायक अभियोजक अधिकारी (APO) परीक्षा, 2018

सीरीज–D **परीक्षा तिथि 16 फरवरी, 2020**

1. 1977 में चेचक का अंतिम प्राकृतिक रोगी निम्नांकित में से किस देश में प्रतिवेदित किया गया था?

(a) केन्या (b) नाइजीरिया

(c) सोमालिया (d) वियतनाम

उत्तर–(c)

चेचक वेरोला वायरस (Variola virus) के कारण होने वाली बीमारी है, जो लगभग 3000 वर्षों से मौजूद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा शुरू किए गए वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रम से इस भयानक बीमारी पर नियंत्रण संभव हुआ। वर्ष 1977 में चेचक का अंतिम प्राकृतिक रोगी सोमालिया में प्रतिवेदित किया गया था। चेचक को वर्ष 1979 में आधिकारिक तौर पर समाप्त घोषित कर दिया गया था।

2. अंतरिक्ष से देखने पर पृथ्वी दिखाई पड़ती है, मुख्यतः–

(a) नीली (b) भूरी

(c) पीली (d) लाल

उत्तर–(a)

अंतरिक्ष से देखने पर पृथ्वी मुख्यतः नीली दिखाई पड़ती है। हालांकि इसका कुछ भाग भूरा, पीला, हरा और सफेद होता है। जल पृथ्वी के अधिकांश भाग को कवर करता है, जो इसे नीला रंग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

3. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (पदार्थ)	सूची-II (उपयोग)
A. इओसिन	1. कवकनाशी
B. सेल्युलोस ऐसिटेट	2. कृत्रिम वर्षा
C. सिल्वर आयोडाइड	3. चलचित्रों की फिल्म
D. कॉपर सल्फेट	4. लाल स्याही

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	4	1	2	3
(d)	1	3	4	2

उत्तर–(b)

सूची-I और सूची-II का सुमेलन निम्नवत है–

पदार्थ		उपयोग
इओसिन	–	लाल स्याही
सेल्युलोस ऐसिटेट	–	चलचित्रों की फिल्म
सिल्वर आयोडाइड	–	कृत्रिम वर्षा
कॉपर सल्फेट	–	कवकनाशी

4. इंद्रधनुष के सीमांत वर्णपट्ट होते हैं–

(a) नीला और लाल (b) लाल और बैंगनी

(c) हरा और बैंगनी (d) पीला और नीला

उत्तर–(b)

इंद्रधनुष के सात रंग क्रमशः बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी तथा लाल होते हैं। जिसमें लाल और बैंगनी, इंद्रधनुष के सीमांत वर्णपट्ट होते हैं।

5. निम्नांकित में से कौन-सा एक सही सुमेलित नहीं है?

(उष्णकटिबंधीय चक्रवात)		(महीना एवं वर्ष)
(a) फानी	–	अप्रैल-मई, 2019
(b) बुलबुल	–	नवंबर, 2019
(c) वायु	–	जून, 2019
(d) पाबुक	–	मार्च, 2019

उत्तर–(d)

सही सुमेलन निम्नवत है–

(उष्णकटिबंधीय चक्रवात)		(महीना एवं वर्ष)
फानी	–	अप्रैल-मई, 2019
बुलबुल	–	नवंबर, 2019
वायु	–	जून, 2019
पाबुक	–	जनवरी, 2019

6. निम्नलिखित में से कौन-सा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2020 का मूल विषय था?

(a) नया भारत (b) गांधी : लेखकों के लेखक

(c) किताब कुंभ (d) डिजिटल क्रांति

उत्तर–(b)

Teachingninja.in

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2020 का मूल विषय गांधी : लेखकों के लेखक था। इस पुस्तक मेले का आयोजन नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 4-12 जनवरी, 2020 के मध्य किया गया। मेले का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत द्वारा किया जाता है।

7. निम्नांकित में से किस देश को विश्व पर्यटन दिवस, 2019 समारोह के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) द्वारा चयनित किया गया था?

(a) भारत (b) तुर्की

(c) संयुक्त अरब अमीरात (d) मेक्सिको

उत्तर–(a)

भारत को विश्व पर्यटन दिवस, 2019 समारोह के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा चयनित किया गया था। 27 सितंबर को मनाए गए विश्व पर्यटन दिवस, 2019 का मुख्य विषय–'पर्यटन और रोजगार : सभी के लिए बेहतर भविष्य' था।

8. अपने देश की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में रिक्त पदों को विदेशी डॉक्टरों और नर्सों द्वारा भरे जाने के उद्देश्य से किस देश ने 19 दिसंबर, 2019 को फास्ट ट्रैक वीजा प्रणाली की स्वीकृति दी है?

(a) ब्राजील (b) ब्रिटेन

(c) पोलैंड (d) यू.एस.ए.

उत्तर–(b)

ब्रिटेन ने 19 दिसंबर, 2019 को अपने देश की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के रिक्त पदों को विदेशी डॉक्टरों और नर्सों द्वारा भरे जाने के उद्देश्य से फास्ट ट्रैक वीजा प्रणाली को स्वीकृति दी है।

9. दिसंबर 2-13, 2019 के दौरान संपन्न हुए कोप-25 में भाषण देने वाली सबसे कम उम्र की महिला मौसम परिवर्तन कार्यकर्त्री कौन थी?

(a) ग्रेटा थमबर्ग (स्वीडन) (b) लिकीप्रिया कंगुजम (भारत)

(c) रिधिमा पांडे (भारत) (d) शाल्वी साक्षी (फिजी)

उत्तर–(b)

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (CoP-25) का आयोजन 2-13 दिसंबर, 2019 के मध्य स्पेन की राजधानी मैड्रिड में संपन्न हुआ। CoP-25 में भाषण देने वाली सबसे कम उम्र की मौसम परिवर्तन कार्यकर्त्री, 8 वर्षीय, भारत की लिकीप्रिया कंगुजम थी।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. संविधान के अनुच्छेद 108 द्वारा लोक सभा एवं राज्य सभा की संयुक्त बैठक का अनुमोदन किया गया है।

2. लोक सभा एवं राज्य सभा की प्रथम संयुक्त बैठक वर्ष 1961 में संपन्न हुई थी।

3. उपराष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाते हैं।

(a) केवल 1 (b) केवल 3

(c) केवल 1 और 2 (d) केवल 2 और 3

उत्तर–(c)

संविधान के अनुच्छेद 108 द्वारा लोक सभा एवं राज्य सभा की संयुक्त बैठक का अनुमोदन किया गया है। अब तक तीन बार दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाई जा चुकी है। वर्ष 1961 में प्रथम संयुक्त बैठक दहेज निरोधक विधेयक पर, वर्ष 1978 में द्वितीय संयुक्त बैठक बैंक सेवा आयोग (निरसन) विधेयक पर तथा वर्ष 2002 में तृतीय संयुक्त बैठक 'पोटा' के लिए बुलाई गई थी। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक राष्ट्रपति बुलाते हैं।

11. निम्नांकित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?

(a) संविधान का भाग II – मौलिक अधिकार

(b) संविधान का भाग III – नागरिकता

(c) संविधान का भाग V – निर्देशक सिद्धांत

(d) संविधान का भाग VIII – संघ राज्य क्षेत्र

उत्तर–(d)

सही सुमेलन निम्नवत है–

संविधान का भाग II	–	नागरिकता
संविधान का भाग III	–	मूल अधिकार
संविधान का भाग V	–	संघ
संविधान का भाग VIII	–	संघ राज्य क्षेत्र

12. 25 दिसंबर, 2019 को भारत सरकार के कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, निम्न में से किस भारतीय राज्य ने बेहतर सुशासन सूचकांक की समेकित सूची में पहला स्थान अर्जित किया है?

(a) केरल (b) तमिलनाडु

(c) महाराष्ट्र (d) कर्नाटक

उत्तर–(b)

25 दिसंबर, 2019 को सुशासन दिवस के अवसर पर भारत सरकार के कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु ने बेहतर सुशासन सूचकांक की समेकित सूची में पहला स्थान प्राप्त किया है। सूचकांक में महाराष्ट्र का दूसरा और कर्नाटक का तीसरा स्थान है।

13. पूरा (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाओं का प्रावधान) मॉडल के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह विकास का गांधीवादी दृष्टिकोण है।

2. 5 फरवरी, 2004 को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा इसकी अवधारणा दी गई।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें–

कूट :

(a) केवल 1 (b) केवल 2

Teachingninja.in

(c) 1 एवं 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

उत्तर–(d)

पुरा (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाओं का प्रावधान) मॉडल की अवधारणा का प्रस्ताव पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा 25 जनवरी, 2003 को दी गई थी। इस मॉडल में उन्होंने सार्वजनिक निजी साझेदारी (PPP) के तहत पायलट परियोजनाओं की योजना बनाई थी। सिद्धांत में जनवरी, 2004 में सरकार ने पुरा को मंजूरी प्रदान की। अतः न तो कथन 1 न ही 2 सही हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी उत्तर पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) दिया गया है।

14. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. टुंड्रा	1. कंगारू
B. सवाना	2. पेंगविन
C. पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया	3. जेब्रा
D. अंटार्कटिका तट	4. रेंडियर

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	1	2
(c)	3	4	2	1
(d)	2	1	4	3

उत्तर–(b)

सही सुमेलन निम्नवत है–

टुंड्रा	–	रेंडियर
सवाना	–	जेब्रा
पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया	–	कंगारू
अंटार्कटिका तट	–	पेंगविन

15. निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कथन (A) : ओजोन छिद्र केवल अंटार्कटिका के ऊपर दृष्टिगत है।

कारण (R) : ओजोन परत वायुमंडल के समतापमंडल के निचले भाग में पाया जाता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है।

उत्तर–(d)

ओजोन परत मुख्यतया समतापमंडल (Stratosphere) के निचले हिस्से में लगभग 10 से 50 किमी. की ऊंचाई पर अवस्थित रहती है, परंतु इसका सर्वाधिक संकेद्रण 20 से 35 किमी. के मध्य ही पाया जाता है। अतः कारण (R) सत्य है। ओजोन छिद्र का सर्वाधिक निर्माण अंटार्कटिका के ऊपर पाया गया है, जबकि अल्प मात्रा में यह आर्कटिक के ऊपर भी दृष्टिगत है। अतः कथन (A) असत्य है।

16. 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के निम्नांकित में से किस राज्य में जनसंख्या का घनत्व सबसे कम था?

(a) मिजोरम (b) सिक्किम

(c) मेघालय (d) अरुणाचल प्रदेश

उत्तर–(d)

2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के न्यूनतम जनघनत्व वाले राज्य हैं–क्रमशः अरुणाचल प्रदेश (17), मिजोरम (52), जम्मू-कश्मीर (56), सिक्किम (86), मणिपुर (115), नगालैंड (119), हिमाचल प्रदेश (123) तथा मेघालय (132)।

17. निम्नांकित में से किस दशक में भारत के कुल नगरीय जनसंख्या की वृद्धि दर कुल ग्रामीण जनसंख्या की वृद्धि दर से अधिक रही?

(a) 1951-1961 (b) 2001-2011

(c) 1991-2001 (d) 1901-1911

उत्तर–(b)

2001-11 के दशक में नगरीय जनसंख्या में वृद्धि दर 31.8 प्रतिशत दर्ज की गई, वहीं ग्रामीण जनसंख्या की वृद्धि दर 12.22 प्रतिशत रही है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या में शहरी जनसंख्या 31.2 प्रतिशत तथा 68.8 प्रतिशत जनसंख्या गांवों में निवास करती है।

18. निम्नांकित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) दी आइडिया ऑफ हिस्ट्री– आर.जी. कालिंगवुड

(b) डिक्लाइन ऑफ दी वेस्ट – कार्ल मार्क्स

(c) वॉट इज हिस्ट्री? – ई.एच. कार

(d) ए स्टडी ऑफ हिस्ट्री – ए.जे. टायनबी

उत्तर–(b)

सही सुमेलन निम्नवत है–

दी आइडिया ऑफ हिस्ट्री	–	आर.जी. कालिंगवुड
डिक्लाइन ऑफ दी वेस्ट	–	ओस्वाल्ड स्पेंगलर
वॉट इज हिस्ट्री?	–	ई.एच. कार
ए स्टडी ऑफ हिस्ट्री	–	ए.जे. टायनबी

Teachingninja.in

19. निम्नांकित में से कौन-सा स्तूप स्थापत्य का अंग नहीं है?

(a) जंघा (b) अंड

(c) मेधि (d) हर्मिका

उत्तर–(a)

स्तूप स्थापत्य के मुख्य अंग हैं–अंड (स्तूप का अर्द्ध गोलाकार भाग), मेधि (जिस पर स्तूप का मुख्य भाग आधारित होता है), हर्मिका (जहां देवता का निवास स्थान होता है), छत्रावली तथा यष्टि।

20. विजयनगर साम्राज्य के शासक कृष्णदेवराय का संबंध किस वंश से था?

(a) संगम वंश (b) तुलुव वंश

(c) अराविडु वंश (d) सलुव वंश

उत्तर–(b)

विजयनगर साम्राज्य के शासक कृष्णदेव राय (1509-29 ई.) का संबंध तुलुव वंश से था। वीर नरसिंह ने सालुव वंश के अंतिम शासक इम्माड़ि नरसिंह को पदच्युत कर तुलुव वंश की नींव डाली। विजयनगर साम्राज्य के चार राजवंशों–संगम वंश (1336-1485 ई.), सालुव वंश (1485-1505 ई.), तुलुव वंश (1505-1570 ई.) एवं अराविडु वंश ने लगभग 300 वर्षों तक शासन किया।

21. निम्न कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. अकबर ने हिंदुओं पर लगे जजिया मार्च, 1565 में उठाया था।

2. अकबर ने हिंदुओं पर लगे जजिया मार्च, 1564 में उठाया था।

निम्न में से सही उत्तर नीचे दिए कूट के आधार पर अंकित करें–

कूट :

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

उत्तर–(b)

अकबर अपनी उदार धार्मिक नीतियों के अंतर्गत 1562 ई. में दास प्रथा, 1563 ई. में तीर्थयात्रा कर तथा मार्च, 1564 में जजिया कर को समाप्त कर दिया। अपने सामाजिक सुधारों के अंतर्गत उसने बाल विवाह एवं सती प्रथा को रोकने का प्रयत्न किया। अतः केवल कथन 2 सही है।

22. 'थॉट्स ऑन पाकिस्तान' पुस्तक के लेखक कौन थे?

(a) बी.आर. अंबेडकर (b) एस.ए. लतीफ

(c) खुशवंत सिंह (d) हकीम अजमल खान

उत्तर–(a)

'थॉट्स ऑन पाकिस्तान' पुस्तक के लेखक बी.आर. अंबेडकर हैं। अंग्रेजी भाषा में लिखी गई इस पुस्तक का प्रकाशन वर्ष 1941 में हुआ। बी.आर. अंबेडकर की अन्य प्रमुख कृतियां–द अनटचेबल्स, फेडरेशन वर्सस फ्रीडम, द प्रॉब्लम ऑफ द रूपीज तथा एनिहीलेशन ऑफ कास्ट हैं।

23. निम्न घटनाओं पर विचार कीजिए और इन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :

I. इलाहाबाद की संधि II. अमृतसर की संधि

III. सालबाई की संधि IV. मंगलौर की संधि

निम्न कूटों में से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) I, III, II, IV (b) II, I, III, IV

(c) I, III, IV, II (d) I, II, IV, III

उत्तर–(c)

इलाहाबाद की संधि (1765)–क्लाइव ने 1765 ई. में इलाहाबाद में दो संधियों की, एक मुगल शासक शाह आलम II के साथ और दूसरी अवध के नवाब के साथ। द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1780-84) का समापन मार्च, 1784 में मंगलौर संधि के रूप में हुआ। पेशवा और अंग्रेजों के मध्य मई, 1782 में सालबाई की संधि हुई। अंग्रेजों ने 25 अप्रैल, 1809 को रणजीत सिंह के साथ अमृतसर की संधि कर ली, जिसके अंतर्गत सतलज नदी दोनों राज्यों के बीच की सीमा मान ली गई।

24. निम्न में से कौन 1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह के दूसरे सत्याग्रही थे?

(a) विनोबा भावे (b) महात्मा गांधी

(c) जवाहरलाल नेहरू (d) अच्युत पटवर्धन

उत्तर–(c)

वर्ष 1940 के अंत तक गांधीजी ने व्यक्तिगत आधार पर सीमित सत्याग्रह प्रारंभ करने का निश्चय किया। 17 अक्टूबर, 1940 को विनोबा भावे पहले सत्याग्रही बने और जवाहरलाल नेहरू दूसरे सत्याग्रही।

25. निम्न घटनाओं पर विचार कर उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–

I. मोपला विद्रोह II. तेभागा आंदोलन

III. बारदोली सत्याग्रह IV. चंपारण सत्याग्रह

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(a)	I	III	IV	II
(b)	II	I	IV	III
(c)	III	I	IV	II
(d)	IV	I	III	II

उत्तर–(d)

Teachingninja.in

चंपारण सत्याग्रह (1917)	–	गांधीजी ने सत्याग्रह का प्रथम प्रयोग चंपारण (बिहार) में किया था।
मोपला विद्रोह (अगस्त, 1921)	–	केरल में मालाबार तट पर
बारदोली सत्याग्रह (1928)	–	सूरत जिले के बारदोली तालुका में कृषक आंदोलन का नेतृत्व वल्लभभाई पटेल ने किया
तेभागा आंदोलन (1946-47)	–	बंगाल की प्रांतीय किसान सभा द्वारा प्रारंभ किया गया, जिसमें वर्गादारों (बंटाईदारों) द्वारा मांग की गई की फसल में जमींदारों का हिस्सा आधे भाग से कम करके एक-तिहाई किया जाए।

26. निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए–

1. पाचन तंत्र में भोजन की गति अनैच्छिक होती है।

2. हृदय स्पंदन का नियंत्रण हमारी इच्छा के अधीन है।

3. मस्तिष्क का बायां भाग भाषा से संबंधित होता है।

4. मस्तिष्क का दायां भाग संगीत के रसास्वादन से संबंधित होता है।

इन कथनों में–

(a) केवल 1, 3 तथा 4 सही हैं।

(b) केवल 1, 2 तथा 3 सही हैं।

(c) केवल 2, 3 तथा 4 सही हैं।

(d) सभी 1, 2, 3 और 4 सही हैं।

उत्तर–(a)

हृदय स्पंदन का नियंत्रण अनैच्छिक होता है। इनका नियमन विशेष पेशी ऊतक (नोडल ऊतक) द्वारा स्वनियमित होते हैं, इसलिए हृदय को आयोजनिक कहते हैं। मेड्यूला ओबलांगाटा के विशेष तंत्रिका केंद्र हृदय की क्रियाओं को संयमित कर सकता है। अनुकंपीय तंत्रिकाओं से प्राप्त तंत्रीय संकेत हृदय स्पंदन को बढ़ा देते हैं तथा परानुकंपीय संकेत हृदय स्पंदन की गति को कम करते हैं।

27. निम्नांकित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) एंजाइम – पेप्सिन

(b) विटामिन – बायोटिन

(c) बहुलक – आर.एन.ए.

(d) हॉर्मोन – कोलेस्ट्राल

उत्तर–(d)

पेप्सिन का पाचन आमाशय में प्रारंभ होता है। आमाशय में पेप्सिन नामक एंजाइम प्रोटीनों को छोटे पॉलीपेप्टाइड और उनके घटक अमीनो अम्लों में विघटित करता है। विटामिन B_7 का रासायनिक नाम बायोटिन है। न्यूक्लिक एसिड दो प्रकार के होते हैं–डी.एन.ए. और आर.एन.ए.। न्यूक्लिक एसिड न्यूक्लियोटाइड के बहुलक हैं। हॉर्मोन-कोलेस्ट्राल का सही सुमेलन नहीं है।

28. निम्नांकित में से कौन-सा ''स्वच्छ और हरित ईंधन'' है/हैं?

1. पेट्रोल **2. डीजल**

3. सी.एन.जी. **4. जैव-ईंधन**

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें–

कूट :

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3

(c) केवल 4 (d) केवल 3 और 4

उत्तर–(d)

सी.एन.जी. धरती के भीतर पाए जाने वाले हाइड्रोकार्बन का मिश्रण है और इसमें 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत मीथेन गैस की मात्रा होती है। मीथेन गैस पेट्रोल और डीजल की तुलना में कार्बन मोनोऑक्साइड को 70 प्रतिशत, नाइट्रोजन ऑक्साइड को 87 प्रतिशत और जैविक गैसों को लगभग 89 प्रतिशत कम उत्सर्जित करती है। करंज, महुआ व नीम आदि जैव-ईंधन के रूप में प्रयोग में लाए जाते हैं। सी.एन.जी. और जैव-ईंधन स्वच्छ और हरित ईंधन के उदाहरण हैं।

29. 60 वॉट के दो बल्ब तथा 40 वॉट के दो पंखों को प्रतिदिन 6 घंटे ऑन रखा जाता है। यदि विद्युत शुल्क 5 रु. प्रति यूनिट हो, तो 30 दिन का विद्युत बिल होगा, रु.–

(a) 180 (b) 90

(c) 900 (d) 1,800

उत्तर–(a)

दो बल्ब ऑन रखने पर कुल विद्युत खपत = किलोवॉट घंटा

$$= \frac{\text{वॉट} \times \text{घंटा}}{1000}$$

$$= \frac{60 \times 6 \times 30 \times 2}{1000} \text{ यूनिट}$$

$$= 21.6 \text{ यूनिट}$$

दो पंखों को ऑन रखने पर कुल विद्युत खपत $= \frac{40 \times 6 \times 30 \times 2}{1000}$

$$= 14.4 \text{ यूनिट}$$

इस प्रकार कुल विद्युत खपत $= 21.6 + 14.4 = 36$ यूनिट

$\therefore$ कुल विद्युत बिल $= 36 \times 5 = 180$ रु.

Teachingninja.in

30. मिशन इंद्रधनुष 2.0 का कार्यकाल है–

(a) सितंबर, 2019 से दिसंबर, 2019

(b) दिसंबर, 2019 से मार्च, 2020

(c) नवंबर, 2019 से फरवरी, 2020

(d) अक्टूबर, 2019 से जनवरी, 2020

उत्तर–(b)

सघन मिशन इंद्रधनुष 2.0 का कार्यकाल दिसंबर, 2019 से मार्च, 2020 तक है। 2 दिसंबर, 2019 को प्रारंभ किए गए मिशन इंद्रधनुष 2.0 का संबंध बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण से है।

31. दिसंबर, 2019 में भारतीय वायु सेना ने अपने किस लड़ाकू विमान को 27 दिसंबर, 2019 से सेवामुक्त करने की घोषणा की?

(a) मिग–21 (b) मिग–29

(c) मिग–27 (d) मिग–31

उत्तर–(c)

भारतीय वायु सेना ने अपने मिग-27 नामक लड़ाकू विमान को 27 दिसंबर, 2019 से सेवामुक्त करने की घोषणा की। भारतीय वायु सेना के बेड़े में इसे वर्ष 1985 में शामिल किया गया था। कारगिल युद्ध के समय इसका उपनाम 'बहादुर' पड़ा।

32. निम्नांकित कथन सुरेना IV, मानव सदृश रोबोट से संबंधित है–

1. इसे तेहरान विश्वविद्यालय ने बनाया है।

2. यह 100 ध्वनि आदेश को पहचान सकता है।

3. यह 100 विभिन्न वस्तुओं को पहचान सकता है।

4. यह एक घंटे में 1 किमी. चलने में सक्षम है।

इनमें से सही कथन हैं–

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 2 और 4

(d) केवल 1 और 2

उत्तर–(a)

मानव सदृश रोबोट सुरेना IV को तेहरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बनाया गया है। यह 100 विभिन्न वस्तुओं तथा 100 ध्वनि आदेशों को पहचान सकता है। 170 सेमी. लंबे तथा 70 किग्रा. वजनी यह रोबोट 1 घंटे में 0.7 किमी. चलने में सक्षम है।

33. किस फुटबॉल खिलाड़ी को 2 दिसंबर, 2019 को छठी बार 'बैलोन डि'ओर अवॉर्ड' प्राप्त करने के समय विश्व का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी माना गया?

(a) क्रिस्टियानो रोनाल्डो (b) लुका मोदरिच

(c) लियोनल मेसी (d) वर्जिल वान डिक

उत्तर–(c)

2 दिसंबर, 2019 को बार्सिलोना फुटबॉल क्लब के खिलाड़ी लियोनल मेसी (अर्जेंटीना) को छठी बार 'बैलोन डि'ओर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

34. 'मिस यूनिवर्स 2019', जोजिबिनी टुंजी किस देश की हैं?

(a) जमैका (b) मेक्सिको

(c) फिलीपींस (d) दक्षिण अफ्रीका

उत्तर–(d)

दिसंबर, 2019 में अटलांटा, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित 68वें मिस यूनिवर्स, 2019 का ताज दक्षिण अफ्रीका की जोजिबिनी टुंजी को प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता की उपविजेता प्यूर्टोरिको की मैडिसन एंडरसन थी।

35. निम्नांकित में से उत्तर प्रदेश पंचायतों की आय के स्रोतों का कौन-सा अपवाद है?

(a) पशु कर (b) स्थानीय व्यापार कर

(c) भवन कर (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(d)

उत्तर प्रदेश पंचायतों की आय के स्रोतों में पशु कर, स्थानीय व्यापार कर तथा भवन कर सभी शामिल हैं। ग्राम पंचायत के अंतर्गत व्यवसाय जैसे–सिनेमा, प्रेक्षागृह, वाहन, पशु-वधशालाओं, पड़ावों, निजी शौचालयों तथा नालियों, सड़कों की सफाई, सिंचाई इत्यादि पर ग्राम पंचायत कर लगा सकती है।

36. निम्नांकित में से किस प्रकार की समानता का प्रयास संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 17 व 18 के द्वारा किया है?

(a) आर्थिक समानता (b) सामाजिक समानता

(c) राजनीति समानता (d) धार्मिक समानता

उत्तर–(b)

अनुच्छेद 17 एवं 18 समता के मौलिक अधिकार के अंतर्गत आते हैं। अनुच्छेद 17 में 'अस्पृश्यता का अंत' तथा अनुच्छेद 18 में 'उपाधियों का अंत' विहित हैं, जिसमें संविधान निर्माताओं द्वारा सामाजिक समानता स्थापित करने का प्रयास किया गया है।

Teachingninja.in

37. निम्नांकित बोर्ड को उनके मुख्यालय से जोड़िए–

सूची-I (बोर्ड)	**सूची-II (मुख्यालय)**
A. भारतीय कॉफी बोर्ड	**1. गुंटूर**
B. तंबाकू बोर्ड	**2. हैदराबाद**
C. राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड	**3. बंगलुरू**
D. राष्ट्रीय जूट बोर्ड	**4. कोलकाता**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	1	4	2
(b)	3	1	2	4
(c)	1	2	3	4
(d)	2	3	4	1

उत्तर–(b)

सूची-I और सूची-II का सुमेलन निम्नवत है–

बोर्ड		**मुख्यालय**
भारतीय कॉफी बोर्ड	–	बंगलुरू
तंबाकू बोर्ड	–	गुंटूर
राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड	–	हैदराबाद
राष्ट्रीय जूट बोर्ड	–	कोलकाता

38. निम्नांकित में से कौन-सा वीजा यू.एस. कंपनियों में विदेशी नागरिकों द्वारा विनियोग को प्रेरित करने के उद्देश्य से लाया गया?

(a) J–1 (b) H–3

(c) E–B5 (d) H–1B

उत्तर–(c)

E–B5 वीजा यू.एस. कंपनियों में विदेशी नागरिकों द्वारा विनियोग को प्रेरित करने के उद्देश्य से लाया गया। विदेशी निवेशकों द्वारा रोजगार सृजन और पूंजी निवेश के माध्यम से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 1992 में पहली बार अधिनियमित किया गया था।

39. निम्न में से कौन-सा एक सही सुमेलित नहीं है?

(देश)		**(राजधानी)**
(a) स्लोवेनिया	–	वडूज
(b) ऑस्ट्रिया	–	वियना
(c) स्लोवाकिया	–	ब्रातिस्लवा
(d) क्रोएशिया	–	जाग्रेब

उत्तर–(a)

देश और राजधानी का सुमेलन निम्नवत है–

देश		**राजधानी**
स्लोवेनिया	–	जुब्लजना
ऑस्ट्रिया	–	वियना
स्लोवाकिया	–	ब्रातिस्लवा
क्रोएशिया	–	जाग्रेब

40. निम्नांकित में से कौन-सा तट मच्छर तट के नाम से जाना जाता है?

(a) कैरिबियन सागर से लगा हुआ होंडुरास तथा निकारागुआ का तटीय क्षेत्र

(b) प्रशांत महासागर से लगा हुआ निकारागुआ का तटीय क्षेत्र

(c) प्रशांत महासागर से लगा हुआ होंडुरास का तटीय क्षेत्र

(d) प्रशांत महासागर से लगा हुआ होंडुरास तथा निकारागुआ का तटीय क्षेत्र

उत्तर–(a)

कैरिबियन सागर से लगा हुआ होंडुरास तथा निकारागुआ का तटीय क्षेत्र मच्छर तट (Mosquito Coast) के नाम से जाना जाता है।

41. 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत का लिंगानुपात क्या था?

(a) 946 महिलाएं हर एक हजार पुरुषों पर

(b) 945 महिलाएं हर एक हजार पुरुषों पर

(c) 940 महिलाएं हर एक हजार पुरुषों पर

(d) 933 महिलाएं हर एक हजार पुरुषों पर

उत्तर–(c)

जनगणना, 2011 के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, भारत का लिंगानुपात 940 था, जबकि जनगणना, 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, भारत का लिंगानुपात 943 है। ग्रामीण लिंगानुपात 949 तथा शहरी लिंगानुपात 929 है। शिशु (0-6 वर्ष) लिंगानुपात 919 है। यदि जनगणना 2011 के अनंतिम आंकड़ों का संदर्भ ग्रहण करें तो विकल्प (c) सही उत्तर होगा।

42. निम्नांकित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(राज्य)		**(2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या घनत्व)**
(a) बिहार	–	1106
(b) उत्तर प्रदेश	–	829
(c) तमिलनाडु	–	555
(d) केरल	–	760

उत्तर–(d)

Teachingninja.in

सही सुमेलन निम्नवत है–

राज्य		2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या घनत्व
बिहार	–	1106
उत्तर प्रदेश	–	829
तमिलनाडु	–	555
केरल	–	860

43. निम्नांकित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) हाथीगुम्फा – उड़ीसा (ओडिशा)
(b) एलोरा – महाराष्ट्र
(c) बाघ – मध्य प्रदेश
(d) नागार्जुन पहाड़ी – पश्चिमी बंगाल

उत्तर–(d)

नागार्जुन पहाड़ी का संबंध बिहार से है, जो गया से लगभग 20 मील पूर्व की ओर है। नागार्जुन पहाड़ी में तीन गुफाएं हैं, जिसे अशोक के पौत्र दशरथ द्वारा आजीवक मुनियों के लिए निर्माण कराया गया था। नागार्जुन पहाड़ी की तीन गुफाओं के नाम–गोपी गुफा, वेदथिका गुफा तथा बहिया गुफा हैं।

44. निम्नांकित में से कौन-सा शासक मौर्य राजवंश से संबंधित नहीं है?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) बिंबिसार
(c) अशोक (d) बृहद्रथ

उत्तर–(b)

ईसा पूर्व छठी शताब्दी में स्थापित, मगध साम्राज्य का प्रथम संस्थापक बिंबिसार (544-492 ई.पू.) था। बिंबिसार हर्यंक वंश से संबंधित था। जबकि चंद्रगुप्त मौर्य, बिंदुसार, अशोक तथा बृहद्रथ मौर्य राजवंश से संबंधित हैं।

45. 'बादशाहनामा' के लेखक कौन थे?

(a) अबुल फजल (b) मुहम्मद काजिम
(c) गुलबदन बेगम (d) अब्दुल हमीद लाहौरी

उत्तर–(d)

अबुल फजल ने संस्कृत ग्रंथ 'पंचतंत्र' का फारसी में अनुवाद कर उसका नाम अनवार-ए-सुहाइली रखा तथा इसी के द्वारा 'अकबरनामा' भी पूरा किया गया। मुहम्मद काजिम ने 'आलमगीरनामा', गुलबदन बेगम ने 'हुमायूंनामा' तथा अब्दुल हमीद लाहौरी ने 'बादशाहनामा' नामक ग्रंथ लिखा। अब्दुल हमीद लाहौरी शाहजहां के शासनकाल का राजकीय इतिहासकार था।

46. महारानी एलिजाबेथ ने ईस्ट इंडिया कंपनी को पूर्व में व्यापार करने हेतु राजकीय अध्यादेश कब जारी किया था?

(a) 31 दिसंबर, 1609 (b) 31 दिसंबर, 1606
(c) 31 दिसंबर, 1600 (d) 31 दिसंबर, 1601

उत्तर–(c)

31 दिसंबर, 1600 को महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने 'दी गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेंट ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू दी ईस्ट इंडीज' को समुद्र मार्ग से पूर्व में व्यापार करने हेतु राजकीय अध्यादेश जारी किया। यही कंपनी सामान्यतः ईस्ट इंडिया कंपनी के नाम से प्रसिद्ध हुई।

47. सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए और सही उत्तर का चयन निम्नांकित कूट की सहायता से कीजिए–

सूची-I	सूची-II
A. गायकवाड़	1. ग्वालियर
B. होल्कर	2. नागपुर
C. सिंधिया	3. बड़ौदा
D. भोंसले	4. इंदौर

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	1	3	2	4
(c)	4	2	1	3
(d)	3	2	1	4

उत्तर–(a)

सूची-I तथा सूची-II का सुमेलन निम्नवत है–

सूची-I		सूची-II
गायकवाड़	–	बड़ौदा
होल्कर	–	इंदौर
सिंधिया	–	ग्वालियर
भोंसले	–	नागपुर

48. वायकोम सत्याग्रह के संदर्भ में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह त्रावणकोर में शुरू हुआ था।
2. यह केरल में नमक कर के खिलाफ था।
निम्न कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–
कूट :

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

उत्तर–(a)

Teachingninja.in

वायकोम सत्याग्रह की शुरुआत मार्च, 1924 में त्रावणकोर के एक गांव वायकोम से हुई थी। वायकोम सत्याग्रह केरल में छुआछूत के खिलाफ था।

49. निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(संधि)		(वर्ष)
(a) सूरत की संधि	–	1775
(b) मद्रास की संधि	–	1769
(c) बेसिन की संधि	–	1803
(d) लाहौर की संधि	–	1846

उत्तर–(c)

नाना फड़नवीस के नेतृत्व में मराठा संघ ने नारायण राव के मरणोपरांत उसकी पत्नी गंगाबाई से उत्पन्न पुत्र को पेशवा के पद पर स्थापित कर दिया। नारायण राव का चाचा रघुनाथ, जो पेशवा बनना चाहता था असफल होने पर 1775 ई. में अंग्रेजों से सूरत की संधि कर ली। प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1768-1769 ई.) के दौरान अंग्रेजों ने अस्तित्व का संकट देखते हुए 1769 ई. में हैदर अली की शर्तों पर मद्रास की संधि कर ली। अप्रैल, 1801 में पेशवा द्वारा जसवंत राव होल्कर के भाई बिट्ठूजी की हत्या कर दी गई, परिणामस्वरूप होल्कर ने पेशवा और सिंधिया की संयुक्त सेना को पराजित कर पूना पर अधिकार कर लिया। पेशवा बाजीराव II ने भाग कर बेसिन में शरण ली और 1802 ई. में अंग्रेजों से बेसिन की संधि कर ली।

50. 'ए हिस्ट्री ऑफ दी आर्य समाज' पुस्तक के लेखक कौन थे?

(a) लाला लाजपत राय (b) स्वामी दयानंद सरस्वती
(c) स्वामी श्रद्धानंद (d) पंडित लेखराम

उत्तर–(a)

'ए हिस्ट्री ऑफ दी आर्य समाज' नामक पुस्तक के लेखक लाला लाजपतराय थे।

51. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की निम्नलिखित में से कौन-सी धारा प्रावधान करती है कि ''न्यायालय के निरीक्षण के लिए पेश की गई सब दस्तावेजें, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख शामिल हैं, दस्तावेजी साक्ष्य कहलाती हैं''?

(a) धारा 4 (b) धारा 61
(c) धारा 91 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(d)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 3 में साक्ष्य शब्द को परिभाषित किया गया है। साक्ष्य की परिभाषा के खंड 1 में मौखिक साक्ष्य तथा खंड 2 में दस्तावेजी साक्ष्य बताया गया है। इसके अनुसार, न्यायालय के निरीक्षण के लिए पेश की गई सब दस्तावेजें, जिनके अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख भी हैं, ऐसी दस्तावेजें 'दस्तावेजी साक्ष्य' कहलाती हैं।

52. बोलने में असमर्थ एक साक्षी अपना साक्ष्य खुले न्यायालय में लिखकर दे सकता है। इस प्रकार दिया गया साक्ष्य समझा जाएगा–

(a) प्राथमिक साक्ष्य (b) द्वितीयक साक्ष्य
(c) दस्तावेजी साक्ष्य (d) मौखिक साक्ष्य

उत्तर–(d)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 119 के अनुसार, ऐसा कोई साक्षी, जो बोलने में असमर्थ है, किसी ऐसी रीति से जिसमें वह उसे बोधगम्य बना सकता है जैसे-लिखकर या संकेतों द्वारा अपना साक्ष्य खुले न्यायालय में दे सकेगा तथा इस प्रकार दिया गया साक्ष्य मौखिक साक्ष्य माना जाएगा। इस धारा के परंतुक के अनुसार, ऐसा साक्षी के साक्ष्य को अभिलिखित करने में न्यायालय किसी दुभाषिए या विशेष प्रबोधक की सहायता लेगा और ऐसे कथन की वीडियो फिल्म तैयार की जा सकेगी।

53. पकला नारायण स्वामी बनाम इंपरर का वाद संबंधित है–

(a) विबंधन के सिद्धांत से (b) सह-अपराधी से
(c) मृत्युकालिक कथन से (d) प्रति-परीक्षा से

उत्तर–(c)

पकला नारायण स्वामी बनाम इंपरर का वाद भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 32(1) के अंतर्गत मृत्युकालिक कथन से संबंधित है। इस वाद में प्रिवी काउंसिल ने अभिनिर्धारित किया कि ऐसा कथन भी मृत्युकालिक कथन माना जाए, जब कथन करने वाले को मृत्यु का कोई कारण न पैदा हो और उसको यह आशंका न हो कि वह मार दिया जाएगा और ऐसा मृत्युकालिक कथन सुसंगत साक्ष्य है, जो उसकी मृत्यु के कारण से संबंधित है।

54. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 3 के अंतर्गत परिभाषित नहीं है?

(a) न्यायालय (b) दस्तावेज
(c) साक्ष्य (d) संस्वीकृति

उत्तर–(d)

Teachingninja.in

'संस्वीकृति' को भारतीय साक्ष्य अधिनियम में कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है। संस्वीकृति से संबंधित सभी उपबंध 'स्वीकृति' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए हैं। स्टीफेंस डाइजेस्ट ऑफ द लॉ ऑफ एविडेंस (Stephen's Digest of the Law of Evidence) में विधिशास्त्री स्टीफेन ने संस्वीकृति को निम्नानुसार परिभाषित किया है–''संस्वीकृति ऐसी स्वीकृति को कहते हैं, जो ऐसे व्यक्ति द्वारा की गई है जिस पर किसी अपराध का आरोप है और जो प्रकट करती है या अनुमान इंगित करती है कि उसने अपराध किया है।'' परंतु भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रयोजनों हेतु यह परिभाषा स्वीकार नहीं की गई। प्रिवी काउंसिल ने पकला नारायण स्वामी बनाम इंपरर के वाद में संस्वीकृति के संदर्भ में निम्नानुसार विचार व्यक्त किया। संस्वीकृति ऐसी होनी चाहिए, जिससे या तो अपराध को दोषपूर्ण रूप से स्वीकार कर लिया गया हो और कम-से-कम अपराध से संबंधित लगभग सभी तथ्य स्वीकार कर लिए गए हों। केवल गंभीर रूप से या निश्चयात्मक रूप से अपराध में केवल फांसने वाला तथ्य स्वीकार करना संस्वीकृति नहीं हो सकती। जैसे–किसी व्यक्ति का यह कथन संस्वीकृति नहीं है कि वह उस अस्त्र या शस्त्र का स्वामी है और उसके कब्जे में है, जिससे हत्या की गई है।

55. 'अ' पर आरोप है कि उसने रेल यात्रा बिना टिकट किया है। यह साबित करने का भार कि उसके पास टिकट था, किस पर होगा?

(a) अभियोजन पर (b) रेलवे प्रशासन
(c) टिकट परीक्षण पर (d) स्वयं 'अ' पर

उत्तर–(d)

उपर्युक्त समस्या भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 106 के दृष्टांत 'ख' पर आधारित है। धारा 106 में विशेषतः ज्ञात तथ्य को साबित करने का भार प्रावधानित है। इस धारा के अनुसार, जब कोई तथ्य विशेषत: किसी व्यक्ति के ज्ञान में है, तब उस तथ्य को साबित करने का भार उस पर है। उक्त समस्या में 'अ' के पास टिकट था या नहीं यह विशेष ज्ञान 'अ' को ही है। अतः उसके पास टिकट था, यह साबित करने का भार 'अ' पर है।

56. 'दृश्यरतिकता' का अपराध किस धारा के अंतर्गत दिया गया है?

(a) 354, भारतीय दंड संहिता
(b) 354-ग, भारतीय दंड संहिता
(c) 354-क, भारतीय दंड संहिता
(d) 354-ख, भारतीय दंड संहिता

उत्तर–(b)

'दृश्यरतिकता' का अपराध भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 354-ग के अंतर्गत दिया गया है। यह धारा दंड विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा अंत:स्थापित की गई। इस धारा के अनुसार, कोई पुरुष जो किसी ऐसी स्त्री को, उन परिस्थितियों में एकटक देखेगा या उसका चित्र खींचेगा अथवा इस चित्र को प्रसारित करेगा, जब ऐसी स्त्री प्रत्याशा करती है कि अपराध करने वाला या अपराध करने वाले के कहने पर कोई अन्य व्यक्ति देख नहीं रहा होगा, तो ऐसा व्यक्ति दृश्यरतिकता का अपराध करता है। इस धारा के अधीन प्रथम दोषसिद्ध पर एक वर्ष से तीन वर्ष के कारावास और जुर्माने से भी दंडित किया जाएगा और द्वितीय अथवा पश्चातवर्ती दोषसिद्ध पर तीन वर्ष से सात वर्ष तक के कारावास और जुर्माने से दंडित किया जाएगा।

57. 'क' एक संदूक तोड़कर खोलता है और उसमें से कुछ आभूषण चुराने का प्रयत्न करता है। संदूक इस प्रकार खोलने के पश्चात उसे ज्ञात होता है कि उसमें कोई आभूषण नहीं है। 'क' ने अपराध किया है–

(a) चोरी का (b) चोरी के प्रयास का
(c) आपराधिक न्यास भंग का (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(b)

प्रस्तुत समस्या भारतीय दंड संहिता की धारा 511 के दृष्टांत 'क' पर आधारित है। इसके अनुसार, 'क' ने चोरी का प्रयास किया। संहिता की धारा 511 अवशिष्ट प्रकृति का एक विशेष प्रावधान है। इस धारा के अंतर्गत आजीवन कारावास या अन्य कारावास से दंडनीय अपराधों को करने का प्रयत्न दंडनीय बनाया गया है, जिसके लिए भारतीय दंड संहिता में कोई अभिव्यक्त प्रावधान नहीं है।

58. 'निर्वाचन के सिलसिले में मिथ्या कथन' भारतीय दंड संहिता, 1860 की किस धारा में उल्लिखित है?

(a) धारा 171-छ (b) धारा 171-ज
(c) धारा 171-घ (d) धारा 171-ङ

उत्तर–(a)

निर्वाचन के सिलसिले में मिथ्या कथन करना भारतीय दंड संहिता की धारा 171-छ में दंडनीय बनाया गया है। इस धारा के अनुसार, जो कोई निर्वाचन के परिणाम पर प्रभाव डालने के आशय से किसी अभ्यर्थी के वैयक्तिक शील या आचरण के संबंध में मिथ्या कथन करेगा या प्रकाशित करेगा, जिसका असत्य होना वह जानता है या विश्वास करता है, वह जुर्माने से दंडित किया जाएगा।

Teachingninja.in

59. 'ख' डूब रहा है और बेहोश है। 'क' उसके जीवन की रक्षा के लिए उसको एक कांटे द्वारा पानी के बाहर खींचता है, जिसके परिणामस्वरूप उसको क्षति पहुंचती है। 'क' दोषी है–

(a) आपराधिक बल का प्रयोग करने का
(b) स्वेच्छया उपहति कारित करने का
(c) स्वेच्छया घोर उपहति कारित करने का
(d) किसी अपराध का दोषी नहीं है

उत्तर–(d)

प्रस्तुत समस्या में 'क' को भारतीय दंड संहिता की धारा 92 के अंतर्गत बचाव मिलेगा। उक्त कार्य के लिए 'क' किसी अपराध का दोषी नहीं है। धारा 92 के अनुसार, कोई बात जो किसी व्यक्ति के लाभ के लिए सद्भावपूर्वक की गई है, ऐसी किसी अपहानि के कारण जो उस बात से उस व्यक्ति को कारित हो जाए, अपराध नहीं है। यद्यपि उसकी सम्मति नहीं ली गई है, यदि परिस्थितियां ऐसी हों कि वह व्यक्ति सम्मति देने के लिए असमर्थ हो या उसके लिए सम्मति प्रकट करना असंभव हो और उसका कोई संरक्षक या विधिपूर्ण भारसाधक कोई दूसरा व्यक्ति वहां न हो, जो उसके लिए सम्मति दे सके।

60. जब कोई पुरुष किसी स्त्री के साथ उसकी सम्मति से मैथुन करता है, तो भी वह बलात्संग करता है, यदि उस स्त्री की आयु कम है–

(a) 17 वर्ष से (b) 19 वर्ष से
(c) 18 वर्ष से (d) 16 वर्ष से

उत्तर–(d)

भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के खंड 6 के अंतर्गत कोई पुरुष किसी स्त्री के साथ उसकी सम्मति से या सम्मति बिना मैथुन करता है, तो वह बलात्संग करता है, यदि उस स्त्री की आयु 16 वर्ष से कम है।

61. निम्नलिखित किस मामले में 'दुराशय' का सिद्धांत मान्य नहीं है?

(a) चोरी (b) हत्या
(c) लोक कंटक (d) ठग

उत्तर–(c)

सामान्यतः अपराध गठित करने के लिए दुराशय आवश्यक है, परंतु कुछ अपराधों के लिए दुराशय आवश्यक नहीं है। इन अपराधों के गठन में कठोर दायित्व का सिद्धांत लागू होता है। जैसे–लोक उपताप/कंटक, द्विविवाह, न्यायालय की अवमानना तथा मानहानि। इस संबंध में **'शेराज बनाम डी. रुटजेन' (1895)** के वाद में अभिनिश्चित किया गया कि 'प्रत्येक संविधि में दुराशय अंतर्निहित माना जाता है, जब तक कि इसके प्रतिकूल न सिद्ध कर दिया जाए। बाद में 'महाराष्ट्र बनाम एम.एच. जॉर्ज', 'गुजरात बनाम आचार्य देवेंद्र प्रसाद पांडेय' तथा 'नाथूलाल बनाम मध्य प्रदेश राज्य' के वाद में उच्चतम न्यायालय ने इस सिद्धांत को मान्यता दी।

62. भारतीय दंड संहिता में 'न समझ गुड़िया' का सिद्धांत, आपराधिक दायित्व का अपवाद निम्न किस धारा में है?

(a) धारा 80 (b) धारा 82
(c) धारा 83 (d) धारा 88

उत्तर–(b)

भारतीय दंड संहिता की धारा 82 के अंतर्गत 'न समझ गुड़िया' का सिद्धांत अंतर्निहित है। इस धारा के अंतर्गत 7 वर्ष से कम आयु के शिशु को अपराध करने में अक्षम माना जाता है। इस धारा के अनुसार, कोई कार्य अपराध नहीं है, जो सात वर्ष से कम आयु के शिशु द्वारा की जाती है। इसका कारण यह है कि 7 वर्ष से कम आयु के शिशु को कार्य की प्रकृति की समझ नहीं होती है।

63. भारतीय दंड संहिता में निम्न में से कौन-सी धारा एकांत परिरोध से संबंधित है?

(a) धारा 71 (b) धारा 72
(c) धारा 73 (d) धारा 74

उत्तर–(c)

भारतीय दंड संहिता की धारा 73 एकांत परिरोध से संबंधित है। इस धारा के अनुसार, न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति को किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध ठहराने पर कठिन कारावास से दंडित किया जाता है। न्यायालय अपने दंडादेश द्वारा आदेश दे सकेगा कि अपराधी को दंडादिष्ट कारावास के किसी भाग के लिए एकांत परिरोध में रखा जाए। एकांत परिरोध की अवधि कुल मिलाकर तीन मास से अधिक न होगी।

64. भारतीय उच्चतम न्यायालय ने किस वाद में भारतीय दंड संहिता की धारा 303 को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 21 का अधिकारातीत अभिनिर्धारित किया है?

(a) मिट्ठू बनाम पंजाब राज्य
(b) केशोराम बनाम असम राज्य
(c) अमृता बनाम महाराष्ट्र राज्य
(d) जसपाल सिंह बनाम पंजाब राज्य

उत्तर–(a)

भारतीय दंड संहिता की धारा 303 के अनुसार, जो कोई आजीवन कारावास के दंडादेश के अधीन रहते हुए हत्या करेगा, वह मृत्युदंड से दंडित किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने मिट्ठू बनाम पंजाब राज्य, 1983 के वाद में धारा 303 को संविधान के अनुच्छेद 14 एवं अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदत्त समानता तथा प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के अधिकारातीत माना एवं इस धारा को असंवैधानिक घोषित किया।

Teachingninja.in

65. 'अ' एक पुलिस अधिकारी 'ज' को उत्प्रेरित करने के लिए यातना देता है ताकि वह स्वीकार कर ले कि उसने अपराध किया है। 'अ' किस धारा के अंतर्गत अपराध का दोषी है?

(a) भारतीय दंड संहिता की धारा 325

(b) भारतीय दंड संहिता की धारा 326

(c) भारतीय दंड संहिता की धारा 330

(d) भारतीय दंड संहिता की धारा 331

उत्तर–(c)

प्रस्तुत समस्या भारतीय दंड संहिता की धारा 330 के दृष्टांत 'क' पर आधारित है। किसी अपराध हेतु संस्वीकृति करने के लिए किसी व्यक्ति को स्वेच्छया यातना देना या उपहति कारित करना भारतीय दंड संहिता की धारा 330 के तहत दंडनीय है। इस धारा के अधीन अपराध करने पर सात वर्ष तक का कारावास और जुर्माने से भी दंडित किया जाएगा।

66. अधोलिखित में कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) दुराशय – आर. बनाम प्रिंस

(b) आवश्यकता – आर. बनाम डडले एंड स्टीफेंस

(c) पागलपन – मैकनाटन वाद

(d) मत्तता – वासुदेव बनाम पेप्सू राज्य

उत्तर–(*)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

दुराशय	–	आर. बनाम प्रिंस
आवश्यकता	–	आर. बनाम डडले एंड स्टीफेंस
पागलपन	–	मैकनाटन वाद
मत्तता	–	वासुदेव बनाम पेप्सू राज्य

अत: प्रश्न में दिए सभी विकल्प सत्य हैं।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी उत्तर पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) दिया गया है।

67. भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित में से किस धारा के अंतर्गत ''लोक मार्ग पर तेज गति से और लापरवाही से वाहन चलाना'' अपराध है?

(a) धारा 278

(b) धारा 273

(c) धारा 279

(d) धारा 280

उत्तर–(c)

भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 279 के अनुसार, जो कोई किसी लोक मार्ग पर तेज गति से और लापरवाही से वाहन चलाएगा, जिससे मानव जीवन संकटापन्न हो जाए या किसी अन्य व्यक्ति को उपहति या क्षति कारित होना संभाव्य हो, वह दोनों में से किसी भांति के कारावास से, जिसकी अवधि छह मास तक की हो सकेगी या जुर्माने से जो एक हजार रु. तक का हो सकेगा या दोनों से दंडित किया जाएगा।

68. 'क' को एक मूल्यवान अंगूठी पड़ी मिलती है। वह नहीं जानता है कि वह किसकी है। 'क' उसके स्वामी को खोज निकालने का प्रयत्न किए बिना उसे तुरंत बेच देता है। उसने कौन-सा अपराध किया है?

(a) चोरी

(b) उद्दापन

(c) आपराधिक न्यास भंग

(d) संपत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग

उत्तर–(d)

'क' द्वारा पड़ी मिली अंगूठी को बिना उसके वास्तविक स्वामी का पता लगाए बेच देना संपत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग है। भारतीय दंड संहिता की धारा 403 में संपत्ति के बेईमानी से दुर्विनियोग के लिए दंड का प्रावधान है। इस धारा के अंतर्गत कारित अपराध के लिए 2 वर्ष तक का कारावास या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है।

69. निम्नलिखित में से अनवरत अपराध कौन-सा है?

(a) दुष्प्रेरण (b) बलात्कार

(c) अपहरण (d) चोरी

उत्तर–(c)

भारतीय दंड संहिता की धारा 362 में अपहरण को परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार, जो कोई किसी व्यक्ति को किसी स्थान से जाने के लिए बल द्वारा विवश करता है या किन्हीं प्रवंचनापूर्ण उपायों द्वारा उत्प्रेरित करता है, वह उस व्यक्ति का अपहरण करता है, यह कहा जाता है। अपहरण एक अनवरत अपराध है। हर बार अपहरण का अपराध गठित होता है, जब इस प्रकार अपहृत किसी व्यक्ति को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है।

70. सुमेलित कीजिए–

सूची-I		सूची-II
A. आपराधिक मानववध करने का प्रयत्न	1.	धारा 351, भा.दं.सं.
B. आत्महत्या करने का प्रयत्न	2.	धारा 362, भा.दं.सं.

Teachingninja.in

C. हमला		3.	धारा 308, भा.दं.सं.
D. अपहरण		4.	धारा 309, भा.दं.सं.

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	1	2	4	3
(c)	4	2	1	3
(d)	3	4	1	2

उत्तर–(d)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

आपराधिक मानव वध करने का प्रयत्न	–	धारा 308 भा.दं.सं.
आत्महत्या करने का प्रयत्न	–	धारा 309 भा.दं.सं.
हमला	–	धारा 351 भा.दं.सं.
अपहरण	–	धारा 362 भा.दं.सं.

71. डायरेक्टर पब्लिक प्रॉसीक्यूशन बनाम बियर्ड अधोलिखित में से किस पर एक प्रमुख वाद है?

(a) विकृत चित्तता (b) दुर्घटना

(c) मत्तता (d) बाल्यपन

उत्तर–(c)

'डायरेक्टर पब्लिक प्रॉसीक्यूशन बनाम बियर्ड' मत्तता से संबंधित एक प्रमुख वाद है। इस वाद में हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने अभिनिर्धारित किया कि ऐच्छिक मत्तता किसी अपराध में बचाव नहीं हो सकती। मत्तता के आधार पर बचाव तभी मिल सकता है, जब मत्तता अनैच्छिक हो।

72. कथन (A) : विधि के समावेशों के अनुवर्तन में अपने वरिष्ठ ऑफिसर के आदेश से एक सैनिक 'क' भीड़ पर गोली चलाता है। 'क' ने कोई अपराध नहीं किया।

कारण (R) : कोई बात अपराध नहीं है, जो किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा की जाए, जो उसे करने के लिए विधि द्वारा बाध्य हो।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर–(a)

उपर्युक्त समस्या भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 76 पर आधारित है। धारा 76 के प्रावधानों के अनुसार, विधि द्वारा आबद्ध या तथ्य की भूल के कारण अपने आपको विधि द्वारा आबद्ध होने का विश्वास करने वाले व्यक्ति द्वारा किया कार्य अपराध नहीं होगा। अतः (A) तथा (R) दोनों सही हैं। परंतु चरण दास नारायण सिंह बनाम पंजाब राज्य, ए.आई.आर. 1956 पंजाब 320 के वाद में धारित किया गया कि अन्यायपूर्ण और अवैध आदेश का पालन किया जाना आवश्यक नहीं है। यदि ऐसे आदेश के अनुपालन में सैनिक गोली चलाता है, तो उसे उत्तरदायी माना जा सकता है।

73. यदि कठोर कारावास की अवधि छह माह से अधिक न हो, तो एकांत परिरोध की अधिकतम अवधि होगी–

(a) पंद्रह दिन (b) एक माह

(c) तीन माह (d) छह माह

उत्तर–(b)

भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 73 के अनुसार, यदि कठोर कारावास की अवधि छह माह से अधिक न हो, तो एकांत परिरोध की अधिकतम अवधि एक माह से अधिक न होगी। छह माह से अधिक और एक वर्ष से कम कठोर कारावास के लिए एकांत परिरोध अधिकतम 2 मास तथा एक वर्ष से अधिक के कठोर कारावास के लिए एकांत परिरोध तीन मास से अधिक न होगी।

74. पुलिस अधिनियम, 1861 की निम्नलिखित में से किस धारा को निरसित किया गया है?

(a) धारा 44 (b) धारा 35

(c) धारा 28 (d) धारा 11

उत्तर–(d)

भारतीय पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 11 को निरसन अधिनियम, 1874 द्वारा निरसित किया गया। इसके अतिरिक्त धाराएं 6, 38, 39, 40 और 41 भी निरसित हो चुकी हैं।

75. पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 7 के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक की संविधायी शक्ति अधीन है–

(a) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 309 के

(b) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के

(c) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 के

(d) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 390 के

उत्तर–(c)

Teachingninja.in

पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 7 के अंतर्गत अवर अधिकारियों की नियुक्ति और पदच्युति इत्यादि का प्रावधान है। इसके अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 311 के उपबंधों और ऐसे नियमों, जो राज्य सरकार समय-समय पर इस अधिनियम के अधीन बनाए, के अधीन रहते हुए पुलिस महानिरीक्षक, उप-महानिरीक्षक, सहायक महानिरीक्षक और जिला अधीक्षक किसी समय अधीनस्थ अधिकारियों को पदच्युत, निलंबित या अवनत कर सकेंगे, जिसे वे अपने कर्तव्य के निर्वहन शिथिल या उपेक्षावान पाए जाएं या जो उस पद के लिए अयोग्य समझे जाएं। इस धारा में अपने कर्तव्य के अवधानता या उपेक्षापूर्ण रीति से निर्वहन करना या कर्तव्य पालन के लिए स्वत: को अयोग्य कर लेता है, तो ऐसे अधीनस्थ अधिकारियों को निम्नलिखित प्रकार के दंडों में से कोई एक या अधिक दिया जा सकेगा–

1. एक मास के वेतन से अनधिक किसी राशि का जुर्माना;
2. दंड रूप ड्रिल, अतिरिक्त पहरा, अतिश्रम या अन्य कार्य के सहित या रहित 15 दिनों तक क्वार्टर परिरोध;
3. सदाचरण वेतन से वंचित करना;
4. विशिष्ट या विशेष उपलब्धि के किसी पद से हटाना।

76. कोई पुलिस अधिकारी, पुलिस अधिनियम, 1861 में विहित कर्तव्यों से इतर, किसी अन्य सेवा (Employment) में तब तक सम्मिलित नहीं हो सकता जब तक कि निम्न के द्वारा लिखित रूप में ऐसा करने की अनुमति प्रदान न की गई हो–

(a) जिला मजिस्ट्रेट द्वारा
(b) उप-पुलिस महानिरीक्षक द्वारा
(c) पुलिस महानिरीक्षक द्वारा
(d) वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा

उत्तर–(c)

भारतीय पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 10 के अनुसार, जब तक महानिरीक्षक ऐसा करने के लिए अभिव्यक्तत: लिखित रूप में अनुज्ञा न दे तब तक कोई पुलिस अधिकारी इस अधिनियम के अधीन आने वाले अपने कर्तव्यों से भिन्न किसी नियोजन या पद में नहीं लगेंगे।

77. पुलिस अधिनियम, 1861 की किस धारा के अंतर्गत किसी विक्षुब्ध या संकटपूर्ण जिले में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करने की शक्ति राज्य सरकार को प्राप्त है?

(a) धारा 16 (b) धारा 13
(c) धारा 15 (d) धारा 11

उत्तर–(c)

भारतीय पुलिस अधिनियम की धारा 15 के अंतर्गत राज्य सरकार को यह शक्ति प्राप्त है कि वह किसी विक्षुब्ध या संकटपूर्ण जिले में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करे। ऐसा राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना जारी करके या किसी अन्य रीति जिसे राज्य सरकार निर्दिष्ट करे, यह घोषित करेगी कि उसके प्राधिकार के अधीन कोई क्षेत्र विक्षुब्ध या संकटमय है और यह समीचीन है कि ऐसे क्षेत्र में पुलिस बल बढ़ाया जाए।

78. उत्तर प्रदेश पुलिस रेगुलेशंस के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(a) सशस्त्र पुलिस – अध्याय 6
(b) घुड़सवार पुलिस – अध्याय 8
(c) ग्राम पुलिस – अध्याय 9
(d) अन्वेषण – अध्याय 10

उत्तर–(d)

उत्तर प्रदेश पुलिस रेगुलेशन के अनुसार, अध्याय 6 सशस्त्र पुलिस, अध्याय 8 घुड़सवार पुलिस, अध्याय 9 ग्राम पुलिस से संबंधित है, जबकि अध्याय 10 थानों में की गई रिपोर्ट तथा अध्याय 11 अन्वेषण/अनुसंधान से संबंधित है।

79. उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमन के पैरा 170 के अनुसार, लोक अभियोजक ''मालखाने'' का निरीक्षण करेगा–

(a) वर्ष में एक बार (b) छह माह में एक बार
(c) तीन माह में एक बार (d) एक माह में एक बार

उत्तर–(d)

उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमन के पैरा 170 के अनुसार, लोक अभियोजक माहवारी (एक माह में एक बार) 'मालखाने' का निरीक्षण करेगा। राजपत्रित अधिकारी त्रैमासिक रूप से 'मालखाने' का निरीक्षण करेगा और इसके लिए रखे गए रजिस्टरों की जांच-पड़ताल और उन पर हस्ताक्षर करेगा।

80. उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमन (Regulations) का निम्नलिखित में से कौन-सा प्रावधान गिरोह पंजी (गैंग रजिस्टर) से संबंधित है?

(a) पैरा 250 (b) पैरा 251
(c) पैरा 252 (d) पैरा 253

उत्तर–(d)

उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमन का पैरा 253 गिरोह पंजी (गैंग रजिस्टर) से संबंधित है। इसके अनुसार, डकैतों, पशु चोरों या रेलवे वैगन से चोरी करने वाले चोरों का संगठित गिरोह का पता चलने पर प्रत्येक उस थाने और जिले के मुख्यालय में, जिसके सीमा क्षेत्र के भीतर गिरोह का कोई सदस्य निवास करता हो, संपूर्ण गिरोह के विवरण गिरोह पंजी (प्रारूप क्रमांक 45) में रखे जाएंगे।

Teachingninja.in

81. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (दं.प्र.सं. की धारा)	**सूची-II (विषय-वस्तु)**
A. धारा 272	1. परिवाद
B. धारा 2(घ)	2. न्यायालय की भाषा
C. धारा 321	3. परिवाद वापस लेना
D. धारा 257	4. अभियोजन वापस लेना

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	2	3	4	1
(c)	2	1	4	3
(d)	3	2	1	4

उत्तर–(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

धारा 272	–	न्यायालय की भाषा
धारा 2(घ)	–	परिवाद
धारा 321	–	अभियोजन वापस लेना
धारा 257	–	परिवाद वापस लेना

82. निम्नलिखित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने यह अवधारित किया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत विवाहित पुत्री, जिसके पास स्वयं के पर्याप्त एवं स्वतंत्र साधन हैं, अपने माता-पिता के भरण-पोषण के लिए जिम्मेदार है?

(a) रेवती बाई बनाम जागेश्वर
(b) विजय मनोहर अरबट बनाम काशीराव राजाराम
(c) सुदीप चौधरी बनाम राधा चौधरी
(d) भूरे बनाम गोमती बाई

उत्तर–(b)

विजय मनोहर अरबट बनाम काशीराव राजाराम, 1987 ए.आई.आर. 1100 के वाद में उच्चतम न्यायालय ने यह धारित किया कि विवाहित पुत्री यदि साधन संपन्न है, तो वह अपने अक्षम माता-पिता के भरण-पोषण के दायित्वाधीन है। उपर्युक्त निदेश दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत पुत्री को माता-पिता के भरण-पोषण के दायित्वाधीन बनाता है।

83. भारतीय दंड संहिता की कौन-सी धारा के अधीन किया गया अपराध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 320 के अंतर्गत शमनीय नहीं है?

(a) धारा 298 (b) धारा 323
(c) धारा 427 (d) धारा 390

उत्तर–(d)

भारतीय दंड संहिता की धारा 390 के अधीन गठित लूट दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 320 के अंतर्गत शमनीय नहीं है। भारतीय दंड संहिता की धारा 390 के अनुसार, सभी लूट में या तो चोरी है या धमकी देकर कोई मूल्यवान वस्तु छीनना (Extortion) है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 320 में ऐसे अपराधों की सूची है, जो शमनीय हैं।

84. निम्नलिखित में से किस संशोधन द्वारा उत्तर प्रदेश में दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 438 के प्रावधानों को पुनः प्रवर्तित किया गया है?

(a) दंड प्रक्रिया संहिता (उत्तर प्रदेश संशोधन) अधिनियम, 1976
(b) आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013
(c) दंड प्रक्रिया संहिता (उत्तर प्रदेश संशोधन) अधिनियम, 2018
(d) आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2018

उत्तर–(c)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 438 में अग्रिम जमानत का प्रावधान है। वर्ष 1976 में दंड प्रक्रिया संहिता (उत्तर प्रदेश संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा इस संहिता को उत्तर प्रदेश में निरसित कर दिया गया था। दंड प्रक्रिया संहिता (उत्तर प्रदेश संशोधन) अधिनियम, 2018 द्वारा इस धारा को पुनः प्रवर्तित कर दिया गया है।

85. भारतीय दंड संहिता की धारा 376-घ क के अंतर्गत अपराध के संबंध में अन्वेषण, पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी द्वारा दर्ज सूचना की तारीख से कितने समय में पूरा किया जाएगा?

(a) छह माह के भीतर (b) तीन माह के भीतर
(c) दो माह के भीतर (d) अनावश्यक विलंब के बिना

उत्तर–(c)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 173 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 376क, 376क ख, 376ख, 376ग, 376घ, 376घ क, 376घ ख या 376ङ के अंतर्गत गठित अपराध के संदर्भ में अन्वेषण दो माह के भीतर पूरा किया जाएगा। उपर्युक्त धारा को दंड विधि (संशोधन) अधिनियम, 2018 द्वारा संशोधित किया गया है।

Teachingninja.in

86. दंड प्रक्रिया संहिता की निम्नलिखित धाराओं में से किस धारा में 'पीड़ित प्रतिकर योजना' को शामिल किया गया था?

(a) धारा 291-क में (b) धारा 357-क में
(c) धारा 311-क में (d) धारा 436-क में

उत्तर–(b)

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 357-क में 'पीड़ित प्रतिकर योजना' का प्रावधान किया गया है। इस धारा के अनुसार, प्रत्येक राज्य सरकार केंद्रीय सरकार के सहयोग से ऐसे पीड़ित या उसके आश्रितों को प्रतिकर के प्रयोजन से निधियां उपलब्ध कराने के लिए एक योजना तैयार करेगी, जिन्हें किसी अपराध के परिणामस्वरूप हानि या क्षति हुई है और जिन्हें पुनर्वास की आवश्यकता है। यह धारा दंड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2008 (2009 का संख्यांक 5) द्वारा जोड़ी गई। इस संबंध में 7 जनवरी, 2009 को राष्ट्रपति ने मंजूरी प्रदान की।

87. कौन-सी धारा दं.प्र.सं. की धारा 164 के अंतर्गत अभियुक्त की संस्वीकृति या अन्य कथन को दर्ज करने में हुई दोष और अनियमितताओं के समाधान के लिए अभिकल्पित है?

(a) धारा 281 (b) धारा 461
(c) धारा 463 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(c)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 463 के अनुसार, जब धारा 164 या 281 के अधीन किसी अभियुक्त व्यक्ति का कथन या संस्वीकृति अभिलिखित की जाती है तथा साक्ष्य में दिया जाता है और यदि कोई न्यायालय, जिसके समक्ष ऐसा साक्ष्य दिया जाता है, इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि कथन अभिलिखित करने वाले मजिस्ट्रेट द्वारा धारा 164 या धारा 281 के किसी उपबंध का अनुपालन नहीं किया गया है, तो वह भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 91 में किसी बात के होते हुए भी, ऐसे अनुपालन के बारे में साक्ष्य ले सकता है और यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे अनुपालन से अभियुक्त की, गुणागुण विषयक बातों पर अपनी प्रतिरक्षा करने में कोई हानि नहीं हुई है और उसने अभिलिखित कथन सम्यक् रूप से किया था, तो ऐसा कथन ग्रहण कर सकता है। इस धारा के उपबंध अपील, निर्देश और पुनरीक्षण न्यायालयों को लागू होते हैं।

88. कोई ऐसा व्यक्ति जो मामले के तथ्यों और परिस्थितियों से परिचित हो, की हाजिरी की अपेक्षा करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति दी गई है–

(a) दं.प्र.सं. की धारा 160(1) में
(b) दं.प्र.सं. की धारा 160(2) में
(c) दं.प्र.सं. की धारा 161(1) में
(d) दं.प्र.सं. की धारा 161(2) में

उत्तर–(a)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 160(1) में साक्षियों की हाजिरी की अपेक्षा करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति का प्रावधान किया गया है। इस धारा के अनुसार, कोई पुलिस अधिकारी, जो अध्याय 12 के अधीन किसी अपराध का अन्वेषण कर रहा है, किसी ऐसे व्यक्ति से अपने समक्ष हाजिर होने की अपेक्षा लिखित आदेश द्वारा कर सकता है, जो किसी मामले में दी गई इत्तिला या अन्यथा उस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों से परिचित होना प्रतीत होता है। परंतु किसी पुरुष जो 15 वर्ष से कम या 65 वर्ष से अधिक आयु का है या किसी स्त्री से या किसी मानसिक या शारीरिक रूप से नि:शक्त व्यक्ति से ऐसे स्थान से, जिसमें ऐसा पुरुष या स्त्री निवास करते हैं, भिन्न स्थान से हाजिर होने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

89. कारावास का अधिकतम दंडादेश, जो संक्षिप्त विचारण में दिया जा सकता है–

(a) तीन मास (b) छह मास
(c) एक वर्ष (d) दो वर्ष

उत्तर–(a)

दंड प्रक्रिया संहिता के अध्याय 21 (धारा 260-265) में संक्षिप्त विचारण का प्रावधान है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 262 की उपधारा (2) के अनुसार, संक्षिप्त विचारण में अधिकतम तीन मास का दंडादेश दिया जा सकता है।

90. सत्र न्यायालय की स्थापना की जाती है–

(a) उच्च न्यायालय द्वारा (b) राज्य सरकार द्वारा
(c) केंद्र सरकार द्वारा (d) राज्य के राज्यपाल द्वारा

उत्तर–(b)

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 9 सत्र न्यायालय से संबंधित है। धारा 9 की उपधारा (1) के अनुसार, राज्य सरकार प्रत्येक सेशन खंड के लिए एक सेशन/सत्र न्यायालय की स्थापना करेगी, जबकि धारा 9 की उपधारा (2) के अनुसार, प्रत्येक सत्र न्यायालय में एक न्यायाधीश पीठासीन होगा, जो उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

91. पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थापित मामलों के विषय में आरोप निम्नलिखित में से किस धारा में विरचित किए जाते हैं?

(a) धारा 240, दं.प्र.सं. (b) धारा 244, दं.प्र.सं.
(c) धारा 246, दं.प्र.सं. (d) धारा 248, दं.प्र.सं.

उत्तर–(c)

Teachingninja.in

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 246 पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित मामलों के विषय में आरोप विरचित करने का प्रावधान करती है। इस धारा के अनुसार, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 244 में निर्दिष्ट सब साक्ष्य के लिए जाने पर या मामले के किसी पूर्वतन प्रक्रम में मजिस्ट्रेट की यह राय है कि ऐसी उपधारणा करने का आधार है कि अभियुक्त ने इस अध्याय के अधीन विचारणीय अपराध किया है, जिसका विचारण करने के लिए वह मजिस्ट्रेट सक्षम है और जो उसके द्वारा पर्याप्त रूप से दंडित किया जा सकता है, तो वह अभियुक्त के विरुद्ध आरोप लिखित रूप में विरचित करेगा।

92. यदि कोई स्त्री, जिसे मृत्यु दंडादेश दिया गया है, गर्भवती पाई जाती है, तो उसकी सजा को आजीवन कारावास में बदलने का अधिकार है–

(a) राज्यपाल को (b) राज्य सरकार को

(c) उच्च न्यायालय को (d) राष्ट्रपति को

उत्तर–(c)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 416 गर्भवती स्त्री को दिए गए मृत्युदंड का मुल्तवी किए जाने का प्रावधान करती है। इस धारा के अनुसार यदि वह स्त्री, जिसे मृत्यु दंडादेश दिया गया है, गर्भवती पाई जाती है, तो उच्च न्यायालय मृत्यु दंडादेश का आजीवन कारावास के रूप में लघुकरण कर सकेगा।

93. साक्ष्य विधि का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है कि 'साक्ष्य को तौला जाए, गिना न जाए' यह भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की किस धारा में समाहित है?

(a) धारा 132 (b) धारा 134

(c) धारा 123 (d) धारा 135

उत्तर–(b)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 134 में साक्षियों की संख्या से संबंधित उपबंध दिया गया है। इसके अनुसार, किसी वाद में किसी तथ्य को साबित करने के लिए साक्षियों की कोई विशिष्ट संख्या अपेक्षित नहीं है। किसी तथ्य को साबित करने के लिए कितने साक्षियों की आवश्यकता होगी यह पूर्ण रूप से न्यायालय के विवेक पर छोड़ दिया गया है। **बद्री बनाम राजस्थान राज्य, 1976 सु.को.** के वाद में उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति गोस्वामी ने अभिनिर्धारित किया कि एकमात्र गवाह की बात में कोई ऐसी कमजोरी जिसका संपुष्टिकरण आवश्यक हो जाए, को छोड़कर एक गवाह भी उचित है। अर्थात महत्व गवाही की मात्रा का नहीं बल्कि उसके गुण का है। ऐसे मामले में न्यायालय को यह देखना पड़ता है कि क्या युक्तियुक्त रूप से एकमात्र गवाह की बात के आधार पर दोषसिद्धि करना उचित होगा? अतः जहां हत्या के एकमात्र गवाह की बात डॉक्टरी साक्ष्य से समर्थन पा रही थी, वहां उच्चतम न्यायालय ने दोषसिद्धि को उचित बताया। अतः हम कह सकते हैं कि 'साक्ष्य को तौला जाए, गिना न जाए' यह साक्ष्य विधि का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है।

94. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 2 किस अधिनियम द्वारा निरसित की गई?

(a) निरसित अधिनियम, 1948

(b) निरसित अधिनियम, 1945

(c) निरसित अधिनियम, 1883

(d) निरसित अधिनियम, 1938

उत्तर–(d)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 2 को निरसित अधिनियम, 1938 की धारा 2 और अनुसूची द्वारा निरसित किया गया।

95. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (तथ्यों की सुसंगतता)	**सूची-II** (साक्ष्य अधिनियम की धाराएं)
A. तथ्य जो विवाद्यक तथ्य की तैयारी दर्शाते हैं	1. धारा 9
B. तथ्य जो विवाद्यक तथ्य के परिणाम हैं	2. धारा 8
C. तथ्य जो एक ही संव्यवहार के भाग हैं	3. धारा 7
D. सुसंगत तथ्यों की व्याख्या या पुरःस्थापन के लिए आवश्यक तथ्य	4. धारा 6

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	3	2	1	4
(c)	4	2	3	1
(d)	1	3	2	4

उत्तर–(a)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

तथ्य जो विवाद्यक तथ्य की तैयारी दर्शाते हैं	–	धारा 8
तथ्य जो विवाद्यक तथ्य के परिणाम दर्शाते हैं	–	धारा 7
तथ्य जो एक ही संव्यवहार के भाग हैं	–	धारा 6
सुसंगत तथ्यों की व्याख्या या पुनःस्थापन के लिए आवश्यक है	–	धारा 9

Teachingninja.in

96. 'कब्जा, स्वामित्व का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य है' इस सिद्धांत का वर्णन किया गया है–

(a) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 108
(b) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 110
(c) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113
(d) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 111

उत्तर–(b)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 110 स्वामित्व के रूप में सिद्ध करने का भार से संबंधित है। इस धारा में 'कब्जा, स्वामित्व का प्रथम दृष्टया साक्ष्य है' का सिद्धांत उपबंधित है। धारा 108 में 'सात वर्षों जीवित नहीं सुने गए व्यक्ति के जीवित होने का सिद्ध करने का भार से संबंधित है, धारा 111 में उन संव्यवहारों में सद्भाव का साबित किया जाना प्रावधानित है, जिनमें एक पक्षकार का संबंध प्रक्रिया विश्वास का है, जबकि धारा 113 क्षेत्र के कब्जे के प्रमाण से संबिधित है।

97. भारतीय साक्ष्य अधिनियम की निम्नलिखित में से कौन-सी धारा स्मृति पुनः ताजा करने से संबंधित प्रावधान बताती है?

(a) धारा 159 (b) धारा 158
(c) धारा 155 (d) धारा 160

उत्तर–(a)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 159 स्मृति पुनः ताजा करने के प्रावधान से संबंधित है। इस धारा के अंतर्गत साक्षी को अपनी स्मृति ताजा करने का अधिकार दिया गया है, जिससे वह परीक्षण के दौरान अपने द्वारा लेखबद्ध किए गए लेख को देखकर अपनी स्मृति ताजा कर सकता है तथा वह किसी अन्य द्वारा लेखबद्ध लेख को भी कर सकता है, जो उक्त साक्षी द्वारा उपयुक्त समय के भीतर पढ़ा गया हो तथा जिसका सही होना वह जानता हो।

98. पति-पत्नी को विवाह के दौरान दी गई संसूचना देने की अनुमति है–

(a) सूचना देने वाले व्यक्ति की सम्मति से
(b) पति-पत्नी के बीच वाद में
(c) पति-पत्नी के बीच अभियोजन में
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(a)

पति-पत्नी को विवाह के दौरान दी गई संसूचना देने की अनुमति भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के अधीन सूचना देने वाले व्यक्ति या उसके विधिक प्रतिनिधि की सम्मति से ही दी जा सकती है। इस धारा के अनुसार, विवाहित स्थिति के दौरान दी गई संसूचना को प्रकट करने के लिए कोई व्यक्ति बाध्य न किया जाएगा, जब तक कि संसूचना देने वाले या उसके विधिक प्रतिनिधि की अनुमति न हो, सिवाय उन वादों में जो विवाहित व्यक्तियों के बीच हों या उन कार्यवाहियों में, जिनमें एक विवाहित व्यक्ति दूसरे के विरुद्ध किए गए अपराध के लिए अभियोजित है।

99. निम्नलिखित कथनों को ध्यान से पढ़िए–

A. किसी शिशु के धर्मजत्व होने की उपधारणा भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 से अधिशासित होती है।

B. एक विधिमान्य विवाह के दौरान पैदा हुए शिशु के धर्मजत्व के संबंध में नरेंद्र नाथ पहाड़ी बनाम राम गोविंद पहाड़ी एक प्रमुख वाद है।

उपरोक्त में

(a) (A) सही है, किंतु (B) गलत है।
(b) (A) गलत है, किंतु (B) सही है।
(c) दोनों (A) तथा (B) सही हैं।
(d) दोनों (A) तथा (B) गलत हैं।

उत्तर–(c)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 में किसी शिशु के धर्मजत्व होने की उपधारणा का प्रावधान किया गया है। इस धारा के अनुसार, विवाहित स्थिति के दौरान में जन्म होना धर्मजत्व का निश्चायक सबूत है। यदि संतान का जन्म विधिमान्य विवाह के कायम रहते हुआ हो या विवाह के विघटन के बाद माता के अविवाहित रहते हुए 280 दिनों के भीतर होता है, जब तक कि विवाह के पक्षकारों की परस्पर पहुंच न होने को सिद्ध न कर दिया गया है। नरेंद्र नाथ पहाड़ी बनाम राम गोविंद पहाड़ी एक विधिमान्य विवाह के दौरान पैदा हुए शिशु के धर्मजत्व के संबंध में एक प्रमुख वाद है।

100. ''किसी वाद या कार्यवाही में सबूत का भार उस व्यक्ति पर होता है, जो असफल हो जाएगा यदि दोनों में से किसी भी ओर से कोई साक्ष्य न दिया जाए।''
यह प्रावधान भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में है?

(a) धारा 101 (b) धारा 102
(c) धारा 110 (d) धारा 112

उत्तर–(b)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 102 के अनुसार, किसी वाद या कार्यवाही में सबूत का भार उस व्यक्ति पर होता है, जो असफल हो जाएगा, यदि दोनों में से किसी भी ओर से कोई भी साक्ष्य न दिया जाए, जैसे–'ख' पर उस भूमि के लिए 'क' वाद लाता है, जो 'ख' के कब्जे में है और जिसके बारे में 'क' यह प्राख्यान करता है कि वह 'ख' के पिता 'ग' की वसीयत द्वारा 'क' के लिए दी गई थी। यदि किसी भी ओर से कोई साक्ष्य नहीं दिया जाए, तो 'ख' इसका हकदार होगा कि वह अपना कब्जा बनाए रखे।

Teachingninja.in

101. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की निम्नलिखित में से किस धारा में आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2018 द्वारा संशोधन किया गया है?

(a) धारा 146 (b) धारा 119

(c) धारा 45-क (d) धारा 113-क

उत्तर–(a)

आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2018 द्वारा भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 53क तथा धारा 146 में संशोधन किया गया है। धारा 119 आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा, धारा 113क आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 1983 तथा धारा 45क सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 द्वारा संशोधन अथवा अंत:स्थापित किया गया है। साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 53क का समावेश आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा किया गया।

102. भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत 'साबित नहीं हुआ' से तात्पर्य है–

(a) साबित

(b) नासाबित

(c) न साबित न नासाबित

(d) अधिवक्ता के समक्ष नासाबित

उत्तर–(c)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 3 निर्वचन खंड है। इसमें ''साबित नहीं हुआ'' को परिभाषित किया गया है। ''साबित नहीं हुआ'' से तात्पर्य है कोई तथ्य साबित नहीं हुआ कहा जाता है, जब वह न तो साबित किया गया हो और न नासाबित।

103. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) दस्तावेजों के तीस वर्ष पुराने होने की उपधारणा – धारा 90, भा.सा.अ.

(b) किसी व्यक्ति को जीवित साबित करने का भार, जिसे सात वर्षों से जीवित नहीं सुना गया – धारा 108, भा.सा.अ.

(c) मूक साक्षी – धारा 119, भा.सा.अ.

(d) दहेज मृत्यु के लिए उपधारणा – धारा 113-क, भा.सा.अ.

उत्तर–(d)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

उपबंध		**धारा**
दस्तावेजों के तीस वर्ष पुराने होने की उपधारणा	–	धारा 90, भा.सा.अ.
किसी व्यक्ति को जीवित साबित करने का भार, जिसे सात वर्षों से जीवित नहीं सुना गया	–	धारा 108, भा.सा.अ.
मूक साक्षी	–	धारा 119, भा.सा.अ.
दहेज मृत्यु के लिए उपधारणा	–	धारा 113 ख, भा.सा.अ.
किसी विवाहित स्त्री द्वारा आत्महत्या के दुष्प्रेरण के बारे में उपधारणा	–	113क, भा.सा.अ.

104. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अंतर्गत एक ही संव्यवहार के भाग होने वाले तथ्यों को जाना जाता है–

(a) अन्यत्र उपस्थिति के तर्क के रूप में

(b) स्वीकृति के रूप में

(c) रेज जेस्टे के रूप में

(d) मृत्युकालीन घोषणा के रूप में

उत्तर–(c)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 6 के अनुसार, एक ही संव्यवहार के भाग होने वाले तथ्यों की सुसंगति को रेस जेस्टे के सिद्धांत के रूप में जाना जाता है। धारा 6 में उपबंधित है कि जो तथ्य विवाद्य न होते हुए भी किसी विवाद्यक तथ्य से इस प्रकार संसक्त हैं कि वे एक ही संव्यवहार के भाग हैं, वे तथ्य सुसंगत हैं, चाहे वे उसी समय और स्थान पर या विभिन्न समयों और स्थानों पर घटित हुए हों।

105. पलविंदर कौर बनाम पंजाब राज्य का वाद निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) मृत्युकालिक कथन

(b) संस्वीकृति

(c) निर्णयों की सुसंगति

(d) लेखा पुस्तकों की प्रविष्टियां

उत्तर–(b)

पलविंदर कौर बनाम पंजाब राज्य, ए.आई.आर. 1952 एस.सी. 343 के मामले में उच्चतम न्यायालय ने पलविंदर के कथन को संस्वीकृति नहीं माना। उच्चतम न्यायालय के अनुसार, फंसाने वाले भाग को दोषमुक्त करने वाले भाग से पृथक नहीं किया जा सकता।

Teachingninja.in

106. भारतीय दंड संहिता, 1860 की निम्नलिखित में से किस धारा से 'हिकलिन का नियम' संबंधित है?

(a) धारा 292 (b) धारा 291

(c) धारा 290 (d) धारा 299

उत्तर–(a)

भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 292 'हिकलिन का नियम' से संबंधित है। इस धारा के अंतर्गत कोई पुस्तक, पुस्तिका, कागज, लेख, रेखाचित्र, रूपण, आकृति या ऐसी ही कोई अन्य वस्तु को अश्लील समझा जाएगा यदि वह कामोद्दीपक या कामुक व्यक्तियों के लिए रुचिकर है।

107. बलात्कार की पीड़िता की पहचान का प्रकटीकरण दंडनीय है–

(a) धारा 326-क, भारतीय दंड संहिता, 1860 में

(b) धारा 228-क, भारतीय दंड संहिता, 1860 में

(c) धारा 228, भारतीय दंड संहिता, 1860 में

(d) धारा 376-ङ, भारतीय दंड संहिता, 1860 में

उत्तर–(b)

भारतीय दंड संहिता की धारा 228-क में बलात्कार की पीड़िता की पहचान का प्रकटीकरण दंडनीय है। प्रकटीकरण करने वाले को सादा या कठिन कारावास से जिसकी अवधि 2 वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माने से भी दंडनीय होगा।

108. उच्चतम न्यायालय ने नानकचंद बनाम पंजाब राज्य (A.I.R. 1955 SC 274) में भारतीय दंड संहिता की अधोलिखित किन धाराओं के मध्य अंतर की व्याख्या अच्छी तरह से की है?

(a) धारा 378 और धारा 383 के मध्य

(b) धारा 361 और धारा 362 के मध्य

(c) धारा 350 और धारा 380 के मध्य

(d) धारा 34 और धारा 149 के मध्य

उत्तर–(d)

नानकचंद बनाम पंजाब राज्य के मामले में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि धारा 34 और धारा 149 के बीच अंतर है। इस संदर्भ में इन दोनों धाराओं के साथ किसी प्रकार का भ्रम नहीं करना चाहिए। धारा 34 सामान्य आशय से, जबकि धारा 149 सामान्य उद्देश्य से संबंधित प्रावधान समाहित किए हुए है।

109. आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2018 लागू हुआ–

(a) 21 अप्रैल, 2018 से (b) 1 सितंबर, 2018 से

(c) 21 जुलाई, 2018 से (d) 17 नवंबर, 2018 से

उत्तर–(a)

आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2018 को लागू होने की तिथि 21 अप्रैल, 2018 है। इस अधिनियम के अंतर्गत भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम तथा दंड प्रक्रिया संहिता में संशोधन किया गया है।

110. भारतीय दंड संहिता का प्रारूप तैयार किया गया–

(a) प्रथम विधि आयोग द्वारा (b) द्वितीय विधि आयोग द्वारा

(c) तृतीय विधि आयोग द्वारा (d) सोलहवें विधि आयोग द्वारा

उत्तर–(a)

प्रथम विधि आयोग द्वारा भारतीय दंड संहिता का प्रारूप तैयार किया गया था। प्रथम विधि आयोग तत्कालीन विधि सदस्य लॉर्ड मैकाले के नेतृत्व में सन 1934 में गठित किया गया। इसके अन्य सदस्य मैक्लीयोड, एन्डरसन तथा मिलेट थे। भारतीय दंड संहिता 1 जनवरी, 1862 से भारत में लागू है।

111. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(अपराध)		(भारतीय दंड संहिता की धारा)
(a) उद्दापन	–	धारा 383
(b) डकैती	–	धारा 391
(c) लूट	–	धारा 389
(d) चोरी	–	धारा 378

उत्तर–(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

अपराध		**भा.दं.सं. की धाराएं**
उद्दापन	–	धारा 383
डकैती	–	धारा 391
लूट	–	धारा 390
चोरी	–	धारा 378

112. 'A' ने 'Z' की भूमि पर एक वृक्ष उसकी अनुमति के बिना काट डाला और 'Z' की जानकारी के बिना उसे उठा ले गया–

(a) यह चोरी है।

(b) यह उद्दापन है।

(c) यह बेईमानी से किया गया दुर्विनियोग है।

(d) यह आपराधिक अतिचार है।

उत्तर–(a)

प्रश्नगत समस्या भा.दं.सं. की धारा 378 के दृष्टांत (क) पर आधारित है। 'A' ने जैसे ही वृक्ष को काटकर पृथक किया, उसने चोरी की है।

Teachingninja.in

113. **मूल्यवान वस्तुओं की पेटी ले जाता एक बैल 'अ' को मिलता है, वह उस बैल को इसलिए एक विशेष दिशा में हांकता है कि वह मूल्यवान वस्तुएं बेईमानी से ले सके। 'अ' ने कारित की है–**

(a) लूट (b) आपराधिक न्यास भंग
(c) चोरी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(c)

प्रश्नगत समस्या भा.दं.सं. की धारा 378 के दृष्टांत (ग) पर आधारित है। ज्यों ही उस बैल ने गतिमान होना प्रारंभ किया, 'अ' ने मूल्यवान वस्तुओं की चोरी की है।

114. **भारतीय दंड संहिता, 1860 में डकैती के लिए तैयारी करना दंडनीय है–**

(a) धारा 393 के अंतर्गत (b) धारा 395 के अंतर्गत
(c) धारा 399 के अंतर्गत (d) धारा 396 के अंतर्गत

उत्तर–(c)

भारतीय दंड संहिता की धारा 399 के अंतर्गत डकैती के लिए तैयारी करना दंडनीय है। जो कोई डकैती करने के लिए कोई तैयारी करेगा, वह कठिन कारावास से जिसकी अवधि 10 वर्ष तक की हो सकेगी दंडित किया जाएगा और जुर्माने से भी दंडनीय होगा।

115. **निम्न को सुमेलित कीजिए–**

सूची-I (निर्णीत वाद)	**सूची-II** (भारतीय दंड संहिता की संबंधित धारा)
A. बारेंद्र कुमार घोष बनाम सम्राट	1. धारा 303
B. के.एम. नानावती बनाम महाराष्ट्र राज्य	2. धारा 34
C. मिठ्ठू बनाम पंजाब राज्य	3. धारा 299 व 300 में अंतर
D. आर. बनाम गोविंद	4. धारा 300

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	3	2	1	4
(c)	4	2	1	3
(d)	2	1	3	4

उत्तर–(a)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

सूची-I (निर्णीत वाद)	**सूची-II** (भा.दं.सं. की संबंधित धारा)
बारेंद्र कुमार घोष बनाम सम्राट	धारा 34
के.एम. नानावती बनाम महाराष्ट्र राज्य	धारा 300
मिठ्ठू बनाम पंजाब राज्य	धारा 303
आर. बनाम गोविंद	धारा 299 व धारा 300 में अंतर

116. **भारतीय दंड संहिता की निम्न में से किस धारा में ''भीख मांगने के प्रयोजनों के लिए अप्राप्तवय का व्यपहरण या विकलांगीकरण'' को वर्णित किया गया है?**

(a) धारा 363 में (b) धारा 364 में
(c) धारा 363-क में (d) धारा 364-क में

उत्तर–(c)

भा.दं.सं. की धारा 363क (1) के अनुसार, जो कोई किसी अप्राप्तवय का इसलिए व्यपहरण करेगा कि ऐसा अप्राप्तवय भीख मांगने के प्रयोजनों के लिए नियोजित या प्रयुक्त किया जाए, तो वह दोनों में से किसी भांति के कारावास से जिसकी अवधि 10 वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माने से भी दंडनीय होगा। इसी प्रकार धारा 363क (2) के अनुसार, जो कोई किसी अप्राप्तवय को विकलांग इसलिए करेगा कि ऐसा अप्राप्तवय भीख मांगने के प्रयोजनों के लिए नियोजित या प्रयुक्त किया जाए, तो वह आजीवन कारावास और जुर्माने से भी दंडनीय होगा।

117. **''मूल्यवान प्रतिभूति'' शब्द भारतीय दंड संहिता में परिभाषित है–**

(a) धारा 28 में (b) धारा 29 में
(c) धारा 30 में (d) धारा 31 में

उत्तर–(c)

भारतीय दंड संहिता की धारा 30 के अनुसार, ''मूल्यवान प्रतिभूति'' शब्द उस दस्तावेज के द्योतक हैं, जो ऐसी दस्तावेज है या होनी तात्पर्यित है, जिसके द्वारा कोई विधिक अधिकार सृजित, विस्तृत, अंतरित, निर्बंधित, निर्वापित किया जाए, छोड़ा जाए या जिसके द्वारा कोई व्यक्ति यह अभिस्वीकार करता है कि वह विधिक दायित्व के अधीन है या अमुक अधिकार नहीं रखता है।

118. **'य' को दीवार से घिरे हुए स्थान में प्रवेश कराकर 'क' उसमें ताला लगा देता है। 'क' दोषी होगा–**

(a) हमले का (b) सदोष परिरोध का
(c) सदोष अवरोध का (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(b)

Teachingninja.in

प्रश्नगत समस्या भारतीय दंड संहिता की धारा 340 के दृष्टांत (क) पर आधारित है। 'य' को दीवार से घिरे हुए स्थान में प्रवेश कराकर 'क' उसमें ताला लगा देता है। इस प्रकार 'य' दीवार की परिसीमा से परे किसी भी दिशा में नहीं जा सकता। अतः 'क' ने 'य' का सदोष परिरोध किया है।

119. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए–

	सूची-I		सूची-II
A.	**धारा 81, भा.दं.सं.**	**1.**	**विकृत चित्त व्यक्ति का कार्य**
B.	**धारा 84, भा.दं.सं.**	**2.**	**हल्का हानि पहुंचने का कार्य**
C.	**धारा 86, भा.दं.सं.**	**3.**	**आवश्यकता का बचाव**
D.	**धारा 95, भा.दं.सं.**	**4.**	**मत्तता**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	1	4	2
(c)	2	1	3	4
(d)	3	2	4	1

उत्तर–(b)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

सूची-I	सूची-II
धारा 81, भा.दं.सं. –	आवश्यकता का बचाव
धारा 84, भा.दं.सं. –	विकृत चित्त व्यक्ति का कार्य
धारा 86, भा.दं.सं. –	मत्तता
धारा 95, भा.दं.सं. –	हल्का हानि पहुंचने का कार्य

120. पांच या उससे अधिक सदस्यों के जमाव द्वारा किसी सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करने में की गई हिंसा का प्रयोग गठित करेगा–

(a) दंगा (b) हमला
(c) बलवा (d) विधि विरुद्ध जमाव

उत्तर–(c)

भारतीय दंड संहिता की धारा 141 में विधि विरुद्ध जमाव का प्रावधान किया गया है तथा धारा 146 में बलवा उपबंधित है। धारा 146 के अनुसार, जब कभी विधि विरुद्ध जमाव द्वारा या उसके किसी सदस्य द्वारा ऐसे जमाव के सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करने में बल या हिंसा का प्रयोग किया जाता है, तब ऐसे जमाव का हर सदस्य बलवा करने के अपराध का दोषी होगा।

121. 'क' अंशतः 'य' को भोजन देने का अवैध रूप से लोप करके और अंशतः 'य' को पीटकर साशय 'य' की मृत्यु कारित करता है। 'क' ने अपराध किया है–

(a) हत्या की कोटि में न आने वाला सदोष मानव वध का
(b) हत्या करने का प्रयत्न का
(c) हत्या का
(d) घोर उपहति का

उत्तर–(c)

प्रश्नगत समस्या भारतीय दंड संहिता की धारा 36 के दृष्टांत पर आधारित है। 'क' अंशतः 'य' को भोजन देने का अवैध रूप से लोप करके और अंशतः 'य' को पीटकर साशय 'य' की मृत्यु कारित करता है। 'क' ने हत्या का अपराध किया है।

122. महबूब शाह बनाम किंग इंपरर एक महत्वपूर्ण वाद है–

(a) षड्यंत्र (b) सामान्य आशय
(c) सदोष परिरोध (d) सामान्य उद्देश्य

उत्तर–(b)

महबूब शाह बनाम इंपरर का वाद भारतीय दंड संहिता की धारा 34 के अंतर्गत सामान्य आशय से संबंधित है। इस वाद में न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि 'सामान्य आशय' एवं 'समान आशय' शब्दों के बीच सीमा रेखा बहुत पतली है, किंतु इनके बीच वास्तविक एवं मूल अंतर है। यदि इस अंतर को समझने में भूल हुई, तो इससे अन्याय हो सकता है।

123. पुलिस अधिनियम, 1861 की कौन-सी धारा पुलिस अधिकारियों के कर्तव्य के बारे में प्रावधान करती है?

(a) धारा 10 (b) धारा 23
(c) धारा 18 (d) धारा 24

उत्तर–(b)

पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 23 पुलिस अधिकारियों के कर्तव्य के बारे में प्रावधान करती है, जो इस प्रकार हैं–

1. सभी आदेशों तथा वारंट का पालन एवं निष्पादन,
2. लोक शांति को प्रभावित करने वाली खुफिया सूचना एकत्र करना तथा संसूचित करना,
3. लोक उपताप तथा अपराध रोकना,
4. अपराधियों को ढूंढ निकालना तथा उसे न्याय के अधीन करना,
5. गिरफ्तारी करना,
6. मदिरालय, जुआ घर या भ्रष्ट या उच्छृंखल चरित्र वाले व्यक्तियों के समागम के अन्य स्थानों में बिना वारंट प्रवेश करना तथा निरीक्षण करना आदि।

Teachingninja.in

124. पुलिस अधिनियम, 1861 की निम्नलिखित में से कौन-सी धारा पुलिस को सार्वजनिक सभाओं और जुलूसों को विनियमित करने और उसके लिए अनुज्ञप्ति देने की शक्ति प्रदान करती है?

(a) धारा 32 (b) धारा 30

(c) धारा 28 (d) धारा 26

उत्तर–(b)

पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 30 पुलिस को समस्त सभाओं, लोक जमावों तथा जुलूसों के संचालन का निर्देशन, जुलूस के गुजरने हेतु मार्ग तथा समय विहित करना, इसके लिए अनुज्ञप्ति, त्योहार तथा विभिन्न रस्मों के अवसरों के लिए मार्गों पर संगीत की सीमा विनियमित करने की शक्ति प्रदान करती है। धारा 30 विनियमकारी है। यह नागरिकों के अधिकार पर युक्तियुक्त निर्बंधन है।

125. पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 7 में पुलिस अधिकारियों की ''वार्षिक वेतन वृद्धि या पदोन्नति को रोकने'' की सजा प्रभावी है–

(a) 1-4-1945 से (b) 1-4-1944 से

(c) 1-5-1944 से (d) 1-5-1945 से

उत्तर–(b)

पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 7 में पुलिस अधिकारियों की ''वार्षिक वेतन वृद्धि या पदोन्नति को रोकने'' की सजा 1 अप्रैल, 1944 से प्रवृत्त है।

126. पुलिस महानिरीक्षक निम्नलिखित में से किसकी सहमति से रेलवे के आस-पास अतिरिक्त पुलिस की नियुक्ति कर सकता है?

(a) जिला मजिस्ट्रेट (b) रेल मंत्रालय

(c) राज्य सरकार (d) पुलिस अधीक्षक, रेलवे

उत्तर–(c)

पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 14 के अनुसार, जब कभी रेल, नहर या अन्य लोक कर्म या कोई विनिर्माणशाला या वाणिज्यिक समुत्थान देश के किसी भाग में चलाया जाए या क्रियाशील हो और पुलिस महानिरीक्षक को यह प्रतीत हो कि ऐसे स्थान में अतिरिक्त पुलिस बल का नियोजन आवश्यक है, पुलिस महानिदेशक राज्य सरकार की सहमति से ऐसे स्थान पर अतिरिक्त पुलिस बल प्रतिनियुक्त कर सकता है।

127. उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमन का कौन-सा अध्याय फरार अपराधी से संबंधित है?

(a) अध्याय 24 (b) अध्याय 19

(c) अध्याय 37 (d) अध्याय 18

उत्तर–(b)

उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमन का अध्याय 19 भगोड़े (फरार) अपराधी से संबंधित है। अध्याय 24 भारतीय राज्य, अध्याय 37 प्रधान आरक्षकों और आरक्षकों का प्रशिक्षण तथा अध्याय 18 विशेष गारद और अतिरिक्त पुलिस से संबंधित है।

128. उत्तर प्रदेश पुलिस रेगुलेशन का निम्नलिखित में से कौन-सा पैरा शव-परीक्षण और उसकी प्रक्रिया से संबंधित है?

(a) पैरा 139 (b) पैरा 140

(c) पैरा 137 (d) पैरा 138

उत्तर–(a)

उत्तर प्रदेश पुलिस रेगुलेशन का पैरा 139 शव परीक्षण और उसकी प्रक्रिया से संबंधित है। पैरा 140 पुलिस अधिकारी द्वारा किसी व्यक्ति के परीक्षण के उद्देश्य को स्पष्ट करता है। पैरा 137 मृत शरीरों को भेजने के स्थान से संबंधित है। इसी प्रकार पैरा 138 में पुलिस अधीक्षक को मृत्यु उपरांत परीक्षण के बारे में निर्णय का अधिकार है।

129. पुलिस अधिनियम, 1861 की निम्नलिखित में किस धारा में सामान्य डायरी से संबंधित उपबंधों का प्रावधान है?

(a) धारा 44 (b) धारा 45

(c) धारा 46 (d) धारा 47

उत्तर–(a)

पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 44 के अनुसार, प्रत्येक पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि वह ऐसे प्रारूप में, जो राज्य सरकार समय-समय पर विहित करे, एक सामान्य डायरी रखे। उसमें सब परिवादों और आरोपों को, गिरफ्तार किए गए सब व्यक्तियों के नामों को, परिवादियों के नामों को, उनके विरुद्ध आरोपित अपराधों को, उन आयुधों या संपत्ति, जो उनके कब्जे से अन्यथा ली गई हो और उन साक्षियों के नामों को जिनकी परीक्षा की गई है, उसमें अभिलिखित करे। जिले का मजिस्ट्रेट ऐसी डायरी मंगवाने और उसका निरीक्षण करने की शक्ति रखता है।

130. जन्म और मरण की रिपोर्ट देने के प्रयोजन से ग्राम चौकीदार को अपने पुलिस थाने पर नियत दिनांक (तिथि) को अनिवार्य रूप से हाजिर होना चाहिए–

(a) मास में एक बार (b) मास में दो बार

(c) मास में तीन बार (d) वर्ष में एक बार

उत्तर–(b)

उत्तर प्रदेश पुलिस विनियम के पैरा 91 के अनुसार, जन्म और मृत्यु की रिपोर्ट देने के प्रयोजन से ग्राम चौकीदार को अपने पुलिस थाने पर निश्चित दिनांक को माह में दो बार हाजिर होना चाहिए। इनमें से एक तारीख पर उन्हें उनका वेतन दिया जाना चाहिए।

Teachingninja.in

131. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्न में से कौन-सी धारा किसी पुरुष पुलिस अधिकारी को महिला की गिरफ्तारी के समय उसके शरीर को छूने से प्रतिबंधित करती है?

(a) धारा 41(1) का परंतुक (b) धारा 42(2) का परंतुक
(c) धारा 46(1) का परंतुक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(c)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 46(1) का परंतुक किसी पुरुष पुलिस अधिकारी को महिला की गिरफ्तारी के समय उसके शरीर को छूने से प्रतिबंधित करती है। धारा 46(4) के अनुसार, असाधारण परिस्थितियों के सिवाय कोई महिला सूर्यास्त के पश्चात और सूर्योदय से पहले गिरफ्तार नहीं की जाएगी और जहां ऐसी असाधारण परिस्थितियां विद्यमान हैं, वहां महिला पुलिस अधिकारी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुज्ञा प्राप्त कर गिरफ्तार कर सकती है।

132. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) संज्ञेय मामलों में इत्तिला	–	धारा 154, दंड प्रक्रिया संहिता
(b) मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी	–	धारा 43, दंड प्रक्रिया संहिता
(c) पुलिस अधिकारी द्वारा बिना वारंट गिरफ्तारी	–	धारा 41, दंड प्रक्रिया संहिता
(d) आरोप की अंतर्वस्तु	–	धारा 211, दंड प्रक्रिया संहिता

उत्तर–(b)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

संज्ञेय मामलों में इत्तिला	–	धारा 154, दंड प्रक्रिया संहिता
मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी	–	धारा 44, दंड प्रक्रिया संहिता
पुलिस अधिकारी द्वारा बिना वारंट गिरफ्तारी	–	धारा 41, दंड प्रक्रिया संहिता
आरोप की अंतर्वस्तु	–	धारा 211, दंड प्रक्रिया संहिता

133. निम्नलिखित में से कौन-सा वाद दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 144 से संबंधित है?

(a) राम अवतार बनाम उ.प्र. राज्य
(b) कर्नाटक राज्य बनाम प्रवीण तोगड़िया
(c) भगवान दत्त बनाम कमला देवी
(d) इकबाल अहमद बनाम उ.प्र. राज्य

उत्तर–(b)

कर्नाटक राज्य बनाम प्रवीण तोगड़िया का वाद दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 144 से संबंधित है। धारा 144 में उपताप या आशंकित खतरे के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति जिला मजिस्ट्रेट या उपखंड मजिस्ट्रेट या किसी अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट को दी गई है।

134. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्न में से कौन-सी धारा लागू होगी, जब पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी यह सूचना पाता है कि किसी व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली है?

(a) धारा 154 (b) धारा 147
(c) धारा 174 (d) धारा 181

उत्तर–(c)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 174 लागू होगी, जब पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी यह सूचना पाता है कि किसी व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली है। इस धारा के अनुसार, जब पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी या राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त विशेषतया सशक्त किए गए किसी अन्य पुलिस अधिकारी को यह इत्तिला (सूचना) मिलती है कि किसी व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली है, तो वह मृत्यु समीक्षा करने के लिए सशक्त निकटतम कार्यपालक मजिस्ट्रेट को तुरंत उसकी सूचना देगा।

135. प्रत्येक जिले के लिए एक लोक अभियोजक की नियुक्ति की जाती है–

(a) सत्र न्यायाधीश के परामर्श से जिला मजिस्ट्रेट द्वारा
(b) राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा
(c) राज्य सरकार द्वारा
(d) केंद्रीय सरकार द्वारा

उत्तर–(c)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 24(3) के अनुसार, प्रत्येक जिले के लिए, राज्य सरकार एक लोक अभियोजक नियुक्त करेगी और जिले के लिए एक या अधिक अपर लोक अभियोजक भी नियुक्त कर सकती है। एक जिले के लिए लोक अभियोजक या अपर लोक अभियोजक किसी अन्य जिले के लिए भी यथास्थिति लोक अभियोजक या अपर लोक अभियोजक नियुक्त किया जा सकता है।

136. ''दोहरे परिसंकट के विरुद्ध संरक्षण'' को दंड प्रक्रिया संहिता की किस धारा में समाविष्ट किया गया है?

(a) धारा 300 में (b) धारा 302 में
(c) धारा 308 में (d) धारा 304 में

उत्तर–(a)

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 300 में ''दोहरे परिसंकट के विरुद्ध संरक्षण'' समाहित है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20(2) में भी यह संरक्षण प्रावधानित है।

137. दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्नलिखित में से कौन-सी धारा 'संज्ञान' शब्द को परिभाषित करती है?

(a) धारा 2(ग) (b) धारा 190
(c) धारा 200 (d) परिभाषित नहीं

उत्तर–(d)

Teachingninja.in

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की किसी धारा में 'संज्ञान' शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है, किंतु धारा 190 में मजिस्ट्रेटों द्वारा अपराधों का संज्ञान लेने की प्रक्रिया का वर्णन किया गया है।

138. प्रथम सूचना रिपोर्ट के संबंध में क्या सही है?

(a) यह थाने के भारसाधक अधिकारी को दी जाती है।
(b) उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होगी, जो उसे देता है।
(c) यह मौखिक या लिखित हो सकती है।
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(d)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 154 के अंतर्गत संज्ञेय अपराध के किए जाने के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाती है। प्रथम सूचना रिपोर्ट थाने के भारसाधक अधिकारी को दी जाती है। यह उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होता है, जो उसे देता है। यह मौखिक या लिखित रूप में हो सकता है।

139. दंड प्रक्रिया संहिता में दंडादेशों को स्थगित या माफ करने की शक्ति है–

(a) उच्च न्यायालय को (b) विचारण न्यायालय को
(c) उच्चतम न्यायालय को (d) समुचित सरकार को

उत्तर–(d)

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 432 में दंडादेशों को स्थगित या माफ करने की शक्ति समुचित सरकार को दी गई है। समुचित सरकार में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार दोनों आती हैं।

140. दं.प्र.सं. की किस धारा के अंतर्गत न्यायालय निर्णय सुनाए जाने के पूर्व किसी समय किसी भी आरोप में परिवर्तन या परिवर्धन कर सकता है?

(a) धारा 214 (b) धारा 215
(c) धारा 216 (d) धारा 217

उत्तर–(c)

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 216 में उपबंधित किया गया है कि कोई भी न्यायालय निर्णय सुनाए जाने के पूर्व किसी समय किसी भी आरोप में परिवर्तन या परिवर्धन कर सकता है। ऐसा प्रत्येक परिवर्तन या परिवर्धन अभियुक्त को पढ़कर सुनाया और समझाया जाएगा।

141. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 133 के अंतर्गत न्यूसेंस (अपदूषण) को हटाने के लिए कौन सक्षम है?

(a) जिला मजिस्ट्रेट
(b) न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
(c) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(a)

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 133 के अनुसार, जिला मजिस्ट्रेट, उपखंड मजिस्ट्रेट या राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त विशेषतया सशक्त कोई अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट न्यूसेंस (अपदूषण) को हटाने के लिए सक्षम है।

142. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (विषय-वस्तु)	सूची-II (दंड प्रक्रिया संहिता की धाराएं)
A. दोषसिद्धि से अपील	1. धारा 375
B. छोटे मामलों में अपील न होना	2. धारा 378
C. दोषमुक्ति के मामलों में अपील	3. धारा 376
D. दोषी के अपराध स्वीकार करने पर कुछ मामलों में अपील न होना	4. धारा 374

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	3	2	1	4
(c)	4	3	2	1
(d)	3	1	4	2

उत्तर–(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

सूची-I (विषय-वस्तु)	सूची-II (दंड प्रक्रिया संहिता की धाराएं)
दोषसिद्धि से अपील	– धारा 374
छोटे मामलों में अपील न होना	– धारा 376
दोषमुक्ति के मामलों में अपील	– धारा 378
दोषी के अपराध स्वीकार करने पर कुछ मामलों में अपील न होना	– धारा 375

143. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 13 के अनुसार, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जा सकती है–

(a) एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए
(b) दो वर्ष से अनधिक अवधि के लिए
(c) तीन वर्ष से अनधिक अवधि के लिए
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(a)

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 13(2) के अनुसार, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एक समय में एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए नियुक्त किए जा सकते हैं। केंद्र सरकार या राज्य सरकार के अनुरोध पर उच्च न्यायालय विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट को नियुक्त करता है।

Teachingninja.in

144. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 61 के अनुसार, दस्तावेजों की अंतर्वस्तु की जा सकती है–

(a) प्राथमिक साक्ष्य द्वारा
(b) द्वितीयक साक्ष्य द्वारा
(c) (a) और (b) दोनों द्वारा
(d) न तो (a) न ही (b) द्वारा

उत्तर–(c)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 61 के अनुसार, दस्तावेजों की अंतर्वस्तु या तो प्राथमिक या द्वितीयक साक्ष्य द्वारा साबित की जा सकेगी। प्राथमिक साक्ष्य संबंधी प्रावधान धारा 62 में तथा द्वितीयक साक्ष्य संबंधी प्रावधान का वर्णन धारा 63 में किया गया है।
उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी उत्तर पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) दिया गया है।

145. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की निम्नलिखित में से कौन-सी धारा आपराधिक मामलों से संबंधित नहीं है?

(a) धारा 27 (b) धारा 133
(c) धारा 53 (d) धारा 23

उत्तर–(d)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 23 सिविल मामलों में स्वीकृतियां कब सुसंगत होगी से संबंधित है। जब कोई व्यक्ति इस शर्त के साथ स्वीकृति करता है कि इसका साक्ष्य नहीं दिया जाएगा, तब इसे प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना स्वीकृति कहते हैं और इसे साक्ष्य के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जा सकता है। ऐसी स्वीकृति को सुरक्षित रखने का नियम पक्षकारों को समझौते द्वारा अपने झगड़े निपटाने की सुविधा के लिए बनाया गया है, जो पक्षकार समझौता प्रस्थापित करता है वह अपनी सूचना या पत्र पर वह नोट लगा सकता है कि वह बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के होगा। धारा 23 केवल दीवानी मामलों में लागू होती है, आपराधिक मामलों में नहीं।

146. चरित्र के साक्ष्य में सम्मिलित है–

(a) केवल स्वभाव का साक्ष्य
(b) केवल ख्याति का साक्ष्य
(c) सामान्य ख्याति व सामान्य स्वभाव
(d) वे विशिष्ट कृत्य जिनके द्वारा ख्याति या स्वाभाव दर्शित होता है

उत्तर–(c)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 55 के स्पष्टीकरण के अनुसार, चरित्र शब्द से तात्पर्य 'ख्याति एवं स्वभाव' से है। टामस पेन ने ख्याति एवं स्वभाव के बारे में कहा है कि ''जो नर और नारियां हमारे बारे में कहें वह हमारी ख्याति है तथा जो ईश्वर हमारे बारे में कहे वह हमारा स्वभाव है।'' अर्थात स्वभाव स्वयं व्यक्ति में निवास करता है, जबकि ख्याति अन्य व्यक्तियों के मस्तिष्क में निवास करती है।

147. 'ख' द्वारा किए गए मृत्युकालिक कथन को 'क' साबित करना चाहता है। 'क' को 'ख' की मृत्यु साबित करनी होगी। भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में ऐसा प्रावधान है?

(a) धारा 32(1) (b) धारा 103
(c) धारा 104 (d) धारा 105

उत्तर–(c)

प्रश्नगत समस्या भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 104 के दृष्टांत (क) पर आधारित है। 'ख' द्वारा किए गए मृत्युकालिक कथन को 'क' साबित करना चाहता है। 'क' को 'ख' की मृत्यु साबित करनी होगी।

148. निम्नलिखित में से कौन-सा वाद 'विबंध' से संबंधित नहीं है?

(a) श्रीकृष्ण बनाम कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
(b) शरतचंद्र डे बनाम गोपाल चंद्र लाहा
(c) एक्सप्रेस न्यूजपेपर प्रा.लि. बनाम यूनियन ऑफ इंडिया
(d) आर.एम. मलकानी बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र

उत्तर–(d)

आर.एस. मलकानी बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र का वाद 'रेस जेस्टे' से संबंधित है, जबकि अन्य तीनों वाद 'विबंध' से संबंधित हैं।

149. निम्नांकित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

	(विषय-वस्तु)		**(भा.सा.अ. की धारा)**
(a)	विवाहित स्थिति के दौरान की गई संसूचनाएं	–	धारा 122
(b)	राज्यों के कार्य-कलापों के बारे में साक्ष्य	–	धारा 123
(c)	विधि सलाहकारों से गोपनीय संसूचनाएं	–	धारा 128
(d)	सहअपराधी का साक्ष्य	–	धारा 133

उत्तर–(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

(विषय-वस्तु)		**(भा.सा.अ. की धारा)**
विवाहित स्थिति के दौरान की गई संसूचनाएं	–	धारा 122
राज्य के कार्य-कलापों के बारे में साक्ष्य	–	धारा 123
विधि सलाहकारों से गोपनीय संसूचनाएं	–	धारा 129
सहअपराधी का साक्ष्य	–	धारा 133

150. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राथमिक साक्ष्य नहीं है?

(a) मुद्रण (b) शिलालेख
(c) फोटोचित्रण (d) प्रमाणित प्रतियां

उत्तर–(d)

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 63(1) के अंतर्गत प्रमाणित प्रतियां तथा धारा 76 प्रमाणित प्रतियां प्रावधानित है, जो द्वितीयक साक्ष्य हैं। धारा 62 के स्पष्टीकरण 2 के अंतर्गत मुद्रण, शिलालेख तथा फोटोचित्रण प्राथमिक साक्ष्य हैं।

Teachingninja.in